सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.parivahanvishesh.com

परिवहन विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

कदम छोटे हो या बड़े, रुकने नहीं चाहिए, क्योंकि मंजिल पाने के लिए चलते रहना चाहिए।

वर्ष 01, अंक 166, नई दिल्ली

मंगलवार, 29 अगस्त 2023, मूल्य ₹ 5, पेज 8

जी20 सम्मेलन से पहले दिल्ली को मिलेंगी 400 इलेक्ट्रिक बसें... ये होंगी सुविधाएं

→ राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 8 से 10 सितंबर के दौरान जी20 सम्मेलन होगा. इसके लिए दिल्ली में हर तरफ तैयारियां चल रही हैं जोकि अब अपने अंतिम चरण में हैं...

संजय बाटला, सम्पादक

नई दिल्ली। जी20 शिखर सम्मेलन से पहले 400 से अधिक इलेक्ट्रिक बसें दिल्ली की सड़कों पर उतरेंगी. इनमें से कुछ का उपयोग डीटीसी बेड़े में शामिल होने से पहले कार्यक्रम (जी20) के लिए भी किया जाएगा.सितंबर के पहले सप्ताह में बसों को हरी झंडी दिखाई जाएगी.

परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा, ₹हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों से राष्ट्रीय राजधानी आने वाले लोग यहां से अच्छी यादें लेकर जाएं.₹ मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में, दिल्ली स्वच्छ ईंधन शुरू करने में अग्रणी रही है, जिसने न केवल यात्रा को सुविधाजनक बनाया है, बल्कि प्रदूषण को भी काफी हद तक कम किया है. ये बसें स्वच्छ ऊर्जा और प्रदूषण को कम करने के लिए दिल्ली सरकार की प्रतिबद्धता को भी दर्शाती हैं. दिल्ली परिवहन विभाग के कुछ अधिकारियों ने कहा कि आने वाली इलेक्ट्रिक बसें उन्नत तंत्र से लैस होंगी. नई इलेक्ट्रिक बसें अधिक बैटरी क्षमता वाली होगी, जो लोगों को दो शिफ्टों में बेहतर सेवाएं प्रदान करेगी.

क्या होंगी सुविधाएं

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि ये सभी नए वाहन 12-मीटर इलेक्ट्रिक बसें होंगी. उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बसों में रियल टाइम मॉनिटरिंग की जाएगी और सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे. इसमें विकलांग लोगों के लिए स्वचालित व्हीलचेयर रैंप भी होगा.परिवहन विभाग के अधिकारियों ने कहा कि नई बसों में चार्जिंग क्षमता अधिक होगी और एक बार पूरा चार्ज होने पर वाहन दो शिफ्ट में चलेगा. दिल्ली में डीटीसी और दिल्ली इंटीग्रेटेड मल्टी-मॉडल ट्रांजिट सिस्टम लिमिटेड (डीआईएमटीएस) के तहत लगभग 7,500 बसें हैं और साथ ही 400 से अधिक इलेक्ट्रिक बसें हैं. लेटेस्ट एडिशन के साथ, ई-बसों की संख्या 800 को पार कर जाएगी.

कब से कब तक है जी20

अधिकारी ने कहा, शहर के सभी बस डिपो के इलेक्ट्रिफिकेशन के लिए एक व्यापक योजना भी तैयार की जा रही है. पहल के हिस्से के रूप में, कुल 62 बस डिपो का इलेक्ट्रिफिकेशन किया जाएगा. डीटीसी बसें औसतन 33 लाख यात्रियों को यात्रा कराती हैं. इन बसों से 4.2 मिलियन लोग प्रतिदिन आवागमन करते हैं. यह दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन का सबसे लोकप्रिय रूप है. कई बसें पुरानी होने और लगातार खराब होने की खबरों के कारण दिल्ली को बसों की कमी का सामना करना पड़ रहा है. परिवहन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, "हमें बसों में खराबी की समस्या का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि इनमें से अधिकांश 10 साल से अधिक पुरानी हैं. एक बार चालू होने के बाद, नई बसें कई मार्गों पर आवृत्ति की समस्याओं का समाधान करेंगी"

बता दें कि 8 से 10 सितंबर के दौरान दिल्ली में G20 सम्मेलन का आयोजन होगा. यूरोपीय संघ सहित 19 देश शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए एक साथ आएंगे।

> परिवहन विभाग के अधिकारियों ने कहा कि नई बसों में चार्जिंग क्षमता अधिक होगी और एक बार पूरा चार्ज होने पर वाहन दो शिफ्ट में चलेगा. दिल्ली में डीटीसी और दिल्ली इंटीग्रेटेड मल्टी-मॉडल ट्रांजिट सिस्टम लिमिटेड (डीआईएमटीएस) के तहत लगभग 7,500 बसें हैं और साथ ही 400 से अधिक इलेक्ट्रिक बसें हैं. लेटेस्ट एडिशन के साथ, ई-बसों की संख्या 800 को पार कर जाएगी।

advertisement Tariff
w.ef. 1st January 2023

परिवहन विशेष
दिल्ली, एनसीआर से प्रसारित लोकप्रिय साप्ताहिक हिन्दी समाचार पत्र

in Rs. / Sq. Cm.

	Basic	3rd Page	Back Page	Front Page Semi Solus	Fornt Page Solus
Delhi Aur Delhi	BW - Colour	Colour	Colour	Colour	Colour
Delhi	100*	200*	250*	300	300

Special Instructions:-
- Innovation on any page will be accepted at a premium of 100% on applicable card rate.
- Any specified position will be accepted at a premium of 25% on applicable card rate.
- B/W advertisement on page 3/Back will charged at colour rate.
- Classified display advertisement will be charged on basic display rate.
- Pointers 4x4 sq. C. or 5x4 sq. cm. will be charged as per card rate.
- box reply charges (each box) will be charged Rs. 150/-
- Political advertisement - as applicable.

परिवहन विशेष में विज्ञापन के लिए ऑनलाईन भुगतान सीधे बैंक खाते/फ़ोन पे पर कर सकते हैं और विज्ञापन के मैटर के साथ ऑनलाईन भुगतान की रसीद व्हाट्सऐप नंबर 09212122095 या newstransportvishesh@gmail.com पर भेज सकते है। भुगतान करने के लिए *NEFT / IMPS / RTGS*
Account Name:-Transport Vishesh Limited
IFSC CODE :- INDB0001396
Cur Account no :- 259212122095
या Phone pay :- 9212122095

दिल्ली चालक हो जाएं सावधान

ट्रैफिक रूल्स को दिखा रहे ठेंगा तो अब संभल जाएं, वरना होगी बड़ी मुश्किल

लगभग 20,684 वाहन मालिकों ने 100 से ज्यादा बार ट्रैफिक नियमों को अनदेखा किया है

दिल्ली में अगर आप गाड़ी चलाते हैं तो यह खबर आपके लिए है. अगर आपने अब तक ट्रैफिक रूल्स को तोडा है या चालान नहीं भरा है तो आपको मुश्किल हो सकती है.

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। देश की राजधानी नई दिल्ली में ट्रैफिक नियम तोड़ने या ट्रैफिक चालान न भरने वालों के खिलाफ सरकार ने सख्त कारवाई का फैसला लिया है. इस फैसले के तहत दिल्ली में जो भी वाहन मालिक ट्रैफिक चालान का भुगतान नहीं करेगा उसके गाड़ी को ऑनलाइन फिटनेस सर्टिफिकेट नहीं दिया जाएगा. इसके अलावा वो किसी दूसरे को भी अपनी गाड़ी ऑनलाइन ट्रांसफर नहीं कर पायेगा. बता दें कि 5 चालान पेंडिंग होने के बाद उस गाड़ी को वाहन पोर्टल पर लेनदेन नहीं करने वाली गाड़ियों की कैटेगरी में डाल दिया जाएगा.

जानकारी के मुताबिक, लगातार ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने और चालान न भरने के मामले राष्ट्रीय राजधानी में बढ़ते जा रहे थे. जिसे रोकने के लिए दिल्ली परिवहन विभाग को ये फैसला लेना पड़ा. बता दें कि इससे दिल्ली परिवहन विभाग और ट्रैफिक पुलिस काफी परेशान हो गई थी. इसी को रोकने के लिए नया सिस्टम लागू किया गया है. इस नियम के लागू होने के बाद लोगों को मजबूरन चालान भरना ही पड़ेगा.

लगभग 20,684 वाहन मालिकों ने 100 बार तोड़े नियम

एक रिपोर्ट में बताया गया है कि दिल्ली में बहुत बड़ी संख्या में वाहन चालक बार-बार ट्रैफिक नियमों को तोड़ रहे हैं. इसमें सोचने वाली बात ये है कि लगभग 20,684 वाहन मालिकों ने 100 से ज्यादा बार ट्रैफिक नियमों को अनदेखा किया है. इतना ही नहीं इन वाहन मालिकों ने ट्रैफिक चालान भी अभी तक नहीं भरा है. इन मामलों में वृद्धि होता देख ट्रैफिक पुलिस ने दिल्ली परिवहन विभाग को इसकी सूचना दी. इसी को देखते हुए विभाग ने चालान न भरने वालों के वाहनों की जरूरी सेवाएं बंद करने का फैसला लिया है.

सड़कों-पुलों की मरम्मत को मांगे 371 करोड़ लोक निर्माण विभाग को 2913 करोड़ का नुकसान

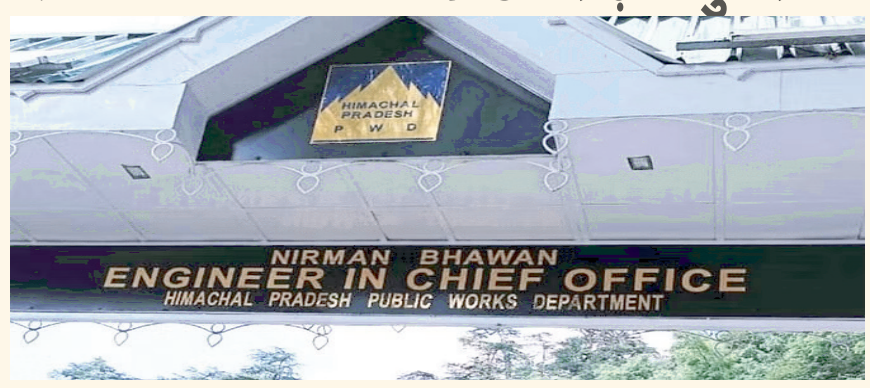

हिमाचल में हुई तबाही से लोक निर्माण विभाग को 2913 .03 करोड़ का नुकसान हुआ है। अन्य विभागों की अपेक्षा यह बहुत ज्यादा है। हालांकि अधिकांश सड़कों को यातायात के लिए बहाल किया जा चुका है, लेकिन इनकी हालत अभी भी दयनीय है।

शिमला। सड़कों की मरम्मत और पुलों के निर्माण के लिए अब हिमाचल प्रदेश को केंद्र से मदद की दरकार है। लोक निर्माण विभाग ने जिला सड़कों की रिपेयर के लिए केंद्र से 274 करोड़ और पुलों के निर्माण के लिए 97 करोड़ रुपये की राशि मांगी है। इसके अलावा 52 करोड़ रुपये की राशि नेशनल हाईवे को जोड़ने वाली सड़कों की रिपेयर के लिए मांगी है। लोक निर्माण विभाग ने इसका प्रस्ताव तैयार कर केंद्रीय भूतल एवं परिवहन मंत्रालय को भेजा है।

अब तक हिमाचल में हुई तबाही से लोक निर्माण विभाग को 2913.03 करोड़ का नुकसान हुआ है। अन्य विभागों की अपेक्षा यह बहुत ज्यादा है। हालांकि अधिकांश सड़कों को यातायात के लिए बहाल किया जा चुका है, लेकिन इनकी हालत अभी भी दयनीय है। सड़कों पर गड्ढे पड़े हैं, जिससे सड़कों पर जाम लग रहा है। सेब बहुल क्षेत्र की सड़कें खस्ताहाल हैं। वहीं, लिंक रोड खराब होने से बागवानों को खच्चरों या मजदूरों से सड़क तक सेब पहुंचाना पड़ रहा है।

लोक निर्माण विभाग का दावा है कि प्रदेश में दो दिनों से मौसम साफ होने से अधिकांश सड़कें यातायात के लिए बहाल की गई हैं। प्रदेश में 488 सड़कें अभी बंद हैं। इनमें से डेढ़ सौ सड़कें ऐसी हैं, जिनको ठीक करने के बाद भी मलबा गिर रहा है। इंजीनियर इन चीफ अजय गुप्ता ने बताया कि केंद्रीय भूतल एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने हिमाचल दौरे के दौरान राशि देने की हामी भरी थी। ऐसे में प्रस्ताव तैयार कर केंद्र को भेजा गया है।

रेल के स्लीपर को भी दिन में जनरल कोच के आदेश

परिवहन विशेष। एसडी सेठी।

नई दिल्ली। रेल मंत्रालय ने जनरल कोच से भीड-बोझ कम करने और डेली पैसेंजर्स के साथ बैठने की किच-किच बाजी का तोड निकाल लिया है। अब रेलवे ने यात्रियों को स्लीपर कोच में जगह देने के निर्देश दिए हैं। इस बात के आदेश बाकायदा 21अगस्त को रेलवे बोर्ड ने जारी कर दिए हैं। निर्देश के मुताबिक जिन ट्रेनों के स्लीपर कोच में यात्री कम हों ,उन्हें जनरल कोच बना दिया जाए। निर्देश के मुताबिक खासतौर पर दिन के समय चलने वाली ट्रेनों में ऐसा करने का निर्देश दिया गया है। रेलवे द्वारा इस व्यवस्था के उद्देश्य में बताया है कि इस व्यवस्था से रेलवे को अतिरिक्त रेवेन्यू तो मिलेगा, साथ ही थोडी दूर का सफर करने वाले यात्रियों को भी सुविधा मिलेगी।

दरअसल रेल अधिकारियों का मानना है कि जब तक ट्रेन नहीं छूटती तब-तक जनरल क्लास के टिकट जारी किए जाते हैं। ऐसे में जनरल कोच में काफी भीड हो जाती है। जनरल कोच की भीड को। डायवर्ट करने के लिए ही ये निर्देश दिए गए हैं। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक हर कोच की अपनी क्षमता है। फर्स्ट एसी कोच में 18से 24 बर्थ तक होती है। वहीं सैकेंड एसी में 48 से 54, बर्थ तक होती है। थर्ड एसी में 64 से 72, और स्लीपर कोच में 72 से 80 और जनरल कोच में 180 से भी ज्यादा यात्री आमतौर पर सफर करते हैं। जनरल कोच में भीड बढने की वजह यह भी है कि रेलवे ने ज्यादा मुनाफा कमाने के लिए थ्री टायर एसी कोच की संख्या बडा दी है।

दरअसल जनरल कोच के मुकाबले इससे ज्यादा रेवेन्यू मिलता था। बता दें कि कोरोना महामारी के बाद जनसाधारण एक्सप्रेस जैसी ट्रेनों का संचालन ही बंद कर दिया है। इनमें बाकायदा जनरल कोच हुआ करते थे। हालांकि रेलवे का कहना है था कि इन ट्रेनों की वजह से नुकसान हो रहा है।

उल्लेखनीय है कि बालासोर ट्रेन एक्सीडेंट के बाद रेलवे बोर्ड ने अनरिजरव्ड कोच के पास भी पानी,नाश्ते को भी उपलब्ध कराने को कहा है। इसके अलावा रास्ते में भी पीने के पानी और सफाई को लेकर भी निर्देश दिए गए हैं। रेलवे का कहना है कि लोगों की यात्रा सुविधाजनक और सुखद बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं। बता दें कोरोना काल में जनरल कोच में भी रिजर्वेशन की तरह ही टिकट दिए जाते थे। इन्हें सैकेंड सीटिंग बना दिया था। जनरल कोच में सीमित टिकट दिए जा रहे थे। अब फिर से जनरल टिकट का सिलसिला शुरू कर दिया है।इससे भी भीड बे इंतहा बडी है।

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/ 25-01-2022 दर्पण

रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए-4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

बच्चे के जन्म के बाद क्या आपको भी हो रही है ये दिक्कतें? हो सकता है पोस्टपार्टम डिप्रेशन, समय रहते करें इलाज

बच्चे को जन्म देने के बाद तकरीबन 15 प्रतिशत महिलाएं शरीर में थकान, मूड में बदलाव और उदासी जैसी दिक्कतों से गुजरती हैं. इनमें ज्यादातर महिलाएं इसको ज्यादा गंभीरता से नहीं लेती हैं, जबकि इन चीजों को हल्के में नहीं लेना चाहिए. क्योंकि ये दिक्कतें बेबी ब्लूज से बढ़कर प्रसवोत्तर अवसाद (Postpartum depression) की वजह से हो सकती हैं.

बच्चे के जन्म के बाद कुछ महिलाओं को मूड में बदलाव, थकावट और निराशा जैसी दिक्कतें होती हैं. जिस पर ज्यादातर महिलाएं ध्यान नहीं देती हैं, जबकि इन चीजों को आपको हल्के में नहीं लेना चाहिए. ऐसा इसलिए, क्योंकि इसकी वजह प्रसवोत्तर अवसाद (Postpartum depression) हो सकता है. ऐसे में अगर आप भी हाल ही में मां बनी हैं और आपको भी इस तरह की दिक्कत से गुजरना पड़ रहा है तो आपको इसके बारे में गंभीरता से सोचने की जरूरत है.

बड़ा दें कि प्रसवोत्तर अवसाद के लक्षण हर किसी में अलग हो सकते हैं. इतना ही नहीं ये लक्षण हर दिन भी अलग-अलग हो सकते हैं. जिन पर आपको गौर करने की जरूरत है. तो आइए हेल्थलाइन डॉट कॉम के अनुसार, जानते हैं कि प्रसवोत्तर अवसाद के क्या लक्षण हो सकते हैं और इनके महसूस होने पर आपको क्या करना चाहिए.

प्रसवोत्तर अवसाद क्या है?

प्रसवोत्तर या प्रसवकालीन अवसाद (postpartum depression) एक प्रकार का डिप्रेशन है, जो बच्चे के जन्म के बाद होता है. बच्चे के जन्म के बाद 7 में से 1 नई मां को यानी तकरीबन 15 प्रतिशत महिलाओं को इस दिक्कत से गुजरना पड़ता है. इसके लक्षण बच्चे के जन्म के बाद कभी भी विकसित हो सकते हैं. लेकिन नॉर्मली ये बच्चे के जन्म के 1 से 3 सप्ताह के भीतर शुरू हो जाते हैं. इस दौरान आप खुद को बहुत भावनाहीन और उदास महसूस कर सकती हैं. तो वहीं ये आपके मूड में बदलाव, थकावट और निराशा की वजह भी बन सकता है. प्रसवोत्तर अवसाद आपसे जुड़े हर किसी व्यक्ति और आपके बच्चे को भी प्रभावित कर सकता है. इसलिए इस डिप्रेशन को सामान्य न समझ कर इलाज के लिए डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए. जिससे आप समय रहते इस परेशानी से उबर सकें.

पोस्टपार्टम डिप्रेशन और बेबी ब्लूज एक ही है?

प्रसवोत्तर अवसाद (पोस्टपार्टम डिप्रेशन) ज्यादा दिनों तक रहता है और ये बेबी ब्लूज से ज्यादा सीरियस होता है. बेबी ब्लूज में आप खुद को बहुत उदास, खाली, मूडी या थका हुआ महसूस कर सकती हैं, जबकि प्रसवोत्तर अवसाद उससे कहीं आगे बढ़ जाता है. यह बच्चे को जन्म देने के बाद कई हफ्तों तक बना रहता है. इसके लक्षण गंभीर हो सकते हैं और आपकी कार्य करने की क्षमता में बाधा डाल सकते हैं.

क्या हैं प्रसवोत्तर अवसाद के लक्षण?

प्रसवोत्तर अवसाद के लक्षण हर महिला में अलग-अलग हो सकते हैं, जो कई बार हर दिन बदल भी सकते हैं. इस दौरान नयी मां खुद को बच्चे से कटा हुआ महसूस कर सकती है. साथ ही ऐसा महसूस हो सकता है जैसे आप अपने बच्चे से प्यार नहीं करतीं. इसके साथ ही आपका उदास होना, बहुत रोना, अपने बच्चे को या खुद को चोट पहुंचाने का विचार आना, बच्चे में रुचि न होना, बॉडी में एनर्जी न होना, खुद को बेकार और दोषी महसूस करना, खुद को बुरी मां समझना, बहुत ज्यादा या बहुत कम सोना, बेचैनी महसूस होना, लंबे समय तक सिरदर्द या पेट की समस्या होना जैसे लक्षण शामिल हैं. अगर आप खुद में प्रसवोत्तर अवसाद के लक्षण महसूस कर रही हैं. तो आपको इसके इलाज के लिए जल्द से जल्द डॉक्टर को दिखाना चाहिए. इसके इलाज में दवाओं के साथ कुछ थेरेपी भी शामिल हो सकती हैं।

30 की उम्र के बाद महिलाओं को जरूर फॉलो करना चाहिए 6 गोल्डन रूल्स, रहेंगी हेल्दी और ब्यूटीफुल

उम्र बढ़ने के साथ चेहरे पर टाइटनेस, ड्राइनेस, रिंकल और फाइन लाइन बनने लगती है. यही नहीं हमारी फिटनेस भी जाने लगती है. आइए जानते हैं इसका उपाय.

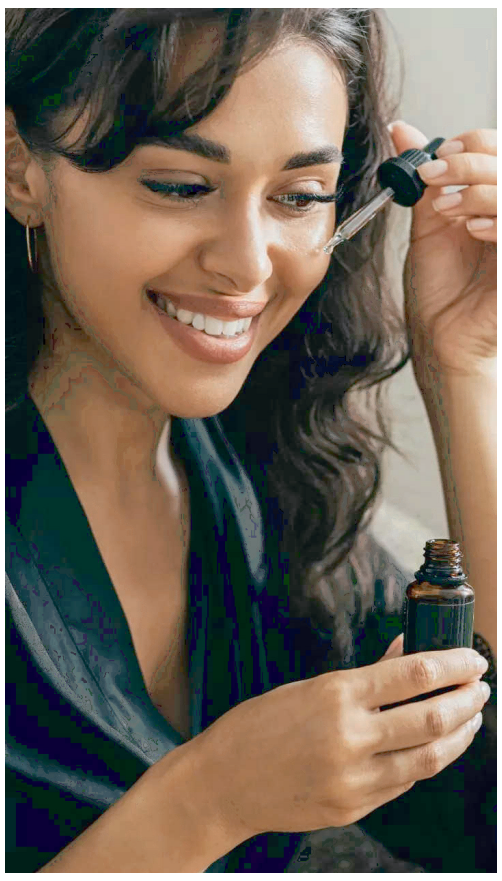

हर उम्र की महिलाओं का यह सपना होता है कि वह हमेशा खूबसूरत और फिट दिखे. लेकिन उम्र के लक्षण को हम रोक नहीं सकते क्योंकि ये एक नेचुरल प्रोसेस है. हालांकि अगर महिला होने के नाते अगर आप अपनी सेहत पर शुरुआती दिनों से ही ध्यान दें और अपना सही तरीके से देखभाल करें तो उम्र से पहले आप एजिंग के लक्षणों को कम कर सकते हैं. यही नहीं, अगर आप 30 की उम्र से ही अपने स्किन को लेकर सचेत रहें तो यह रिंकल और फाइनलाइन की समस्या को दूर कर सकता है. यहां हम बता रहे हैं कि आप किस तरह नेचुरल तरीके से उम्र के असर की रफ्तार को कम कर सकते हैं.

30 की उम्र के बाद इन बातों का रखें ख्याल

पानी खूब पियें

फिटडे के मुताबिक, पानी की कमी होने पर शरीर में मेटाबॉलिज्म कम होने लगता है, शरीर में पानी की कमी होने लगती है और यह स्किन की फ्लेक्सिबिलिटी को प्रभावित करती है. इसलिए अपने पानी के इंटेक पर नजर रखें और भरपूर पानी पियें.

वर्कआउट करें

अगर आप 30 की उम्र के बाद भी रेग्युलर वर्कआउट करें, स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करें तो यह आपके आपके मसल्स को कमजोर नहीं होने देते और चेहरे व शरीर पर यूथनेस बना रहता है.

धूप से बचें

ब्रायन मावर डर्मोटोलॉजी के मुताबिक, अर्ली एजिंग का सबसे बड़ा कारण यूवी करिणें. ऐसे में रोज एसपीएफ 30 सनस्क्रीन का इस्तेमाल जरूर करें और सनग्लास का प्रयोग करें.

अल्कोहल स्मोकिंग से बचें

ये दोनों ही आदतें स्किन पर रिंकल की वजह होती हैं. यह स्किन कैंसर का कारण भी बन सकता है. ऐसे में जहां तक हो अल्कोहल और स्मोकिंग से खुद को दूर रखें.

भरपूर सोएं

30 की उम्र के बाद भरपूर सोना काफी जरूरी होता है. आप कम से कम 8 घंटे की नींद रात में जरूर पूरा करें. इसके अलावा सोने और जागते समय स्किन केयर का ध्यान रखें.

हेल्दी डाइट जरूरी

स्किन को परफेक्ट रखने के लिए आप हेल्दी डाइट का सेवन करें. इसके लिए भरपूर फल, सब्जियां, अनाज आदि खाने में शामिल करें.

इस तरह आप लंबी उम्र तक खुद को फिट रख सकेंगी और हेल्दी रहने की वजह से आपकी स्किन और बालों की समस्या भी दूर रहेगी.

आप भी बनना चाहती हैं इंडिपेंडेंट, महिलाएं इन 5 चीजों पर करें फोकस, इन तरीकों से बढ़ाएं पहला कदम

कई बार महिलाओं के लिए आत्मनिर्भर बन पाना आसान नहीं होता है. लेकिन अगर आप इंडिपेंडेंट वुमेन होने की ख्वाहिश रखती हैं. तो डिसीजन मेकिंग स्किल्स, फाइनेंशियल प्लानिंग और आत्मविश्वास जैसी चीजों पर फोकस करके आत्मनिर्भर बनने की ओर कदम बढ़ा सकती हैं.

महिलाओं के लिए आत्मनिर्भर बनने का रास्ता कई बार काफी मुश्किल होता है. ऐसे में इंडिपेंडेंट बनने के लिए ज्यादातर महिलाओं को काफी मेहनत करनी पड़ती है. इसलिए आज हम आपको बताते हैं कि आत्मनिर्भर बनने के लिए किन बातों पर फोकस करना जरूरी होता है.

कई बार चाहकर भी महिलाएं आत्मनिर्भरता की ओर कदम नहीं बढ़ा पाती हैं. ऐसा इसलिए क्योंकि बहुत सी महिलाओं के लिए इंडिपेंडेंट होना काफी मुश्किल भरा टास्क होता है. ऐसे में अगर आप कुछ चीजों पर फोकस करते हुए आगे कदम बढ़ाती हैं, तो आत्मनिर्भर बनने का आपका रास्ता आसान हो सकता है. तो आइये जानते हैं इसके बारे में.

सेल्फ कॉन्फिडेंस होना है जरूरी

आत्मनिर्भर बनने के लिए आपका आत्मविश्वासी होना बहुत जरूरी है. इंडिपेंडेंट बनने के लिए ये आपका पहला कदम हो सकता है. ऐसे में जरूरी है कि सेल्फ कॉन्फीडेंस को बूस्ट करने की कोशिश करें. साथ ही प्रोफेशनल लाइफ से लेकर पर्सनल लाइफ तक के डिसीजन आप खुद पूरे विश्वास के साथ लेने का प्रयास करें. इतना ही नहीं अगर कोई फैसला गलत भी होता है, तो इसकी जिम्मेदारी किसी और पर न डालकर आप खुद ही लें.

फैसले लेना सीखें

ज्यादातर घरों में महिलाएं हर छोटा-बड़ा फैसला घर में किसी न किसी से पूछ कर ही लेती हैं. ऐसे में उनको फैमली मेम्बर्स या पार्टनर पर निर्भर रहने की आदत हो जाती है. लेकिन आत्मनिर्भर बनने के लिए जरूरी है कि आप खुद में डिसीजन मेकिंग स्किल को डेवलप करने की कोशिश करें. जिससे आप जरूरत पड़ने पर खुद फैसला लेने में सक्षम रहें.

भावनात्मक रूप से मजबूत बनें

आत्मनिर्भर बनने के लिए आपका भावनात्मक रूप से मजबूत बनना भी बहुत जरूरी है. इसलिए अपनी खुशी के लिए किसी और पर निर्भर रहने की जगह अपनी केयर खुद करना सीखें. इस तरह से आप किसी पर इमोशनली डिपेंडेंट नहीं रहेंगी और खुद को मेंटली और इमोशनली स्ट्रांग रखने में कामयाब हो सकेंगी.

फाइनेंस मैनेज करना सीखें

बहुत सी महिलाएं जॉब करने के बाद भी अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग के लिए दूसरों पर ही डिपेंडेंट रहती हैं. वहीं ज्यादातर महिलाएं फाइनेंस से जुड़े डिसीजन बिना किसी की इजाजत के लेने में हिचकिचाने लगती हैं. जबकि आत्मनिर्भर बनने के लिए जरूरी है कि अपने बजट से लेकर इंवेस्टमेंट तक का हिसाब आप खुद रखें. इसलिए इंडिपेंडेंट बनने के लिए अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग खुद करना सीखें.

G20 समिट के लिए सज रही दिल्ली: भाजपा-आप में क्रेडिट वॉर, सौरभ भारद्वाज ने कहा- केंद्र ने एक चवन्नी नहीं लगाई

परिवहन विशेष

जी-20 सम्मेलन को लेकर तैयारियां पर खर्चे को लेकर आम आदमी पार्टी और भाजपा के बीच क्रेडिट वार छिड़ गया है। क्रेडिट लेने की मची होड़ के बीच आम आदमी पार्टी ने भारतीय जनता पार्टी के दावे को खारिज कर दिया है। आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि एक चवन्नी भी केंद्र सरकार ने नहीं लगाई है।

नई दिल्ली। सितंबर में होने वाली जी-20 समिट को लेकर दिल्ली में तैयारियां अंतिम चरण पर हैं। आठ सितंबर से 10 सितंबर के बीच दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन होगा। सम्मेलन में 28 देशों के राष्ट्राध्यक्ष, कई अंतरराष्ट्रीय संगठन के प्रमुख शामिल होंगे।

दिल्ली सरकार के फंड से हुआ विकास- AAP

जी-20 सम्मेलन को लेकर तैयारियां पर खर्चे को लेकर आम आदमी पार्टी और भाजपा के बीच क्रेडिट वार छिड़ गया है। क्रेडिट लेने की मची होड़ के बीच आम आदमी पार्टी ने भारतीय जनता पार्टी के दावे को खारिज कर दिया है। दिल्ली सरकार में मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि पीडब्लूडी और एमसीडी का काम जो हुआ है, वह निगम और दिल्ली सरकार के फंड से हुआ है।

केंद्र ने एक चवन्नी भी नहीं लगाया- सौरभ भारद्वाज

आप नेता भारद्वाज ने आगे कहा कि एमसीडी द्वारा किया गया सौंदर्यीकरण का काम दिल्ली सरकार द्वारा आवंटित धन से किया गया। दिल्ली देश की राजधानी है, इसे अच्छा बनाना हमारा भी उतना ही कर्तव्य है। एक चवन्नी भी केंद्र सरकार ने नहीं लगाई है। एलजी की जवाबदेही किसी को नहीं है। जबकि हमारी जवाबदेही जनता को है। एलजी दौरा कर सकते हैं उसमें हमें कोई दिक्कत नहीं है।

दुल्हन की तरह सजाया गया दिल्ली

भारद्वाज ने कहा कि सीएम अरविंद केजरीवाल के निर्देश पर दिल्ली को दुल्हन की तरह सजाया गया है। ऐसी व्यवस्था की गई है कि आने वाले पर्यटकों को कोई दिक्कत न हो, उनकी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। साथ ही जब अलग-अलग देशों के प्रतिनिधि अपने देश वापस लौटकर जाएं तो कहें अरविंद केजरीवाल की सरकार वाली दिल्ली बहुत खूबसूरत है।

बता दें कि जी-20 समिट को लेकर दिल्ली को सजाया जा रहा है। भाजपा ने कहा था कि उपराज्यपाल वीके सक्सेना की मेहनत हैं जो दिन और रात एक किए हुए हैं।हर सड़क का व्यक्तिगत निरीक्षण करके दिल्ली को संवारने का काम किया जा रहा है।दिल्ली के मुख्यमंत्री एक दस्तावेज दिखाएं जो एक भी बैठक जी 20 के लिए की हो।

डब्ल्यू-डब्ल्यू ई वर्ल्ड चैंपियन दि ग्रेट खली 51 साल के हुए

परिवहन विशेष। एसडी सेठी। भारतीय धरती के भीम ने दुनियां की दहलीज पर कदम रखते ही डब्ल्यू-डब्ल्यू ई के हैवी वेट चैंपियन दि ग्रेट खली ने अपनी कद काठी और ढील-ढोल से तहलका मचा दिया था। 27 अगस्त को दि ग्रेट खली यानि दलीप सिंह राणा का जन्म हिमाचल प्रदेश में 27अगस्त 1972 को हुआ था। उनकी कद काठी के मद्देनजर 2014 में एक कंपनी से कांट्रेक्ट हुआ। और वह डब्ल्यू-डब्ल्यू ई के रिंग में उतर गए। उनके रिंग में उतरते ही अंडर टेकर तक के पसीने छूट गए थे। लेकिन चैम्पियन का खिताब पाने के बाद कंपनी ने उन्हें दोबारा साइन नहीं किया। साल 2002 में दलीप सिंह राणा उर्फ दि ग्रेट खली की शादी जालंधर के नूर महल की रहने वाली हरमिंदर कौर से हुई। आज दोनों की 4 साल की अवलीन राणा नाम की एक बेटी है। दि ग्रेट खली एकरोमिगेली नामक बिमारी से ग्रसित है।इस बिमारी में ग्रोथ आफ हार्मोन हद से ज्यादा बनते हैं। इसकी वजह से उनकी हाइट भी आम ह्यूमन से ज्यादा है। इसी बिमारी के चलते उनको हार्ट, किडनी,फेलियर से लेकर कैंसर तक का खतरा बना हुआ है। बहरहाल वह हिमाचल प्रदेश और दिल्ली के अली पुर में रेसिलिंग एकेडमी चला रहे हैं।

बिहार का लिट्टी चोखा, राजस्थान का लच्छा पराठा... G20 में विदेशी मेहमानों की थाली में दिखेगा पूरे भारत का जायका

G20 Summit in Delhi जी-20 शिखर सम्मेलन में दिल्ली आ रहे अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल को होटलों की थाली पूरे भारत का स्वाद मिलेगा। कई महीने से चल रही तैयारियां अब अंतिम चरण में हैं। पंचतारा होटलों में ठहरने वाले इन आगंतुकों की यात्रा को यादगार बनाने के लिए हर प्रयास किए जा रहे हैं। नाश्ता और खाने-पीने का पूरा विवरण तैयार कर लिया गया है।

परिवहन विशेष

नई दिल्ली। जी-20 शिखर सम्मेलन में दिल्ली आ रहे अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल को होटलों की थाली पूरे भारत का स्वाद मिलेगा। कई महीने से चल रही तैयारियां अब अंतिम चरण में हैं।

पंचतारा होटलों में ठहरने वाले इन आगंतुकों की यात्रा को यादगार बनाने के लिए हर प्रयास किए जा रहे हैं। नाश्ता और खाने-पीने का पूरा विवरण तैयार कर लिया गया है। इसके साथ ही उन्हें आयुर्वेदिक मसाज देने की भी व्यवस्था की गई है।

जायके पर खास ध्यान

दिल्ली-एनसीआर के करीब 28 होटलों में ठहरने वाले करीब 26 राष्ट्राध्यक्ष व 14 अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के प्रतिनिधिमंडल को बेहतरीन अहसास दिलाने के लिए तैयारी की गई है। इसमें सबसे ज्यादा उनके जायके पर ध्यान दिया जा रहा है। इसमें देसी-विदेशी व्यंजन व फल का चयन किया गया है।

होटलवाले आगंतुकों को भारत के विभिन्न राज्यों के प्रसिद्ध व्यंजन व स्ट्रीट फूड को उनकी थाली में परोसने की तैयारी कर ली है। इसमें शाकाहारी व मांसाहारी दोनों तरह के व्यंजन होंगे।

मिलेंगे ये व्यंजन

थाली में बिहार का लिट्टी चोखा और हरी मिर्च व लहसुन की चटनी, राजस्थान का अजवाइन का लच्छा पराठा और गट्टे की सब्जी, बंगाल का घी-भात, लखनऊ की नल्ली निहारी और कश्मीरी रोटी, कश्मीर का केसर कोरमा और बटर नान, मुंबई का बड़ा पाव और मसाला भेलपुरी, मिजोरम का ग्रीन मोमो, सिक्किम की चिकेन करी, नगालैंड की परंपरागत चिकेन समेत देश के अन्य राज्यों के प्रसिद्ध व्यंजन होंगे।

वहीं, अलग अलग देशों के प्रतिनिधिमंडल के यहां के व्यंजन को भी तैयार किया जा रहा है। फलों के मामले में होटलवालों का जोर सीजनल फलों पर ज्यादा है।

आयुर्वेदिक मसाज का भी प्रबंध

इसके साथ ही भारत में आयुर्वेदिक मसाज के लिए पर्यटक विभिन्न देशों से आते हैं। इसमें सबसे अधिक पर्यटक केरल जाते हैं, लेकिन दो दिवसीय शिखर सम्मेलन की व्यवस्तताओं के देखते हुए कई होटल प्रबंधन ने आयुर्वेदिक मसाज का प्रबंध किया है।

वहीं, मेहमानों का होटल में स्वागत में भारतीय परंपरा के तहत ही होगी। होटल में ठहरने के दौरान उन्हें अच्छा अहसास कराने के लिए कई होटल प्रबंधक शास्त्रीय संगीत, सितार, तबला वादकों को आमंत्रित कर रहे हैं, जो मेहमानों के स्वागत में चार चांद लगा दें।

क्या बोले होटल के महाप्रबंधक?

ली मेरेडियन की उपाध्यक्ष व महाप्रबंधक मीना भाटिया ने बताया कि उनके होटल में आगंतुकों को भारतीय व्यंजन से रूबरू कराने के लिए सारी तैयारियां कर ली गई हैं। जी-20 का ऐतिहासिक अवसर देश के साथ होटल के लिए भी है। हम उनके रहने, खाने पीने व सुरक्षा के लिए उच्चतर मानक का पालन कर रहे हैं। हमारी तैयारी है कि आगंतुकों को भारत के सभी राज्यों के प्रमुख व्यंजन परोसे जाएं।

वहीं, सांगरिला के महाप्रबंधक अभिशेक साधु ने कहा कि आगंतुकों का आतिथ्य करने के लिए होटल तैयार है। सारी तैयारियां कर ली गई है। भारत की परंपरागत तरीके से हम मेहमानों की यात्रा को अविस्मरणीय बनाने का प्रयास कर रहे हैं। होटल अंदाज हयात का कहना है कि सारी तैयारियों के बीच उनका ध्यान श्रीअन्न यानी मिलेट्स से बने उत्पाद परोसने पर है। इसमें पिज्जा, नूडल भी श्रीअन्न से बना होगा।

'अब दिल्ली होगी साफ': तीन दिन में चमकेंगी सड़कें, अवैध गाड़ियां पर एक्शन; मेयर शैली ओबरॉय ने दिए ये निर्देश

शम्स आग़ाज़ जामेई

दिल्ली मेयर शैल ओबरॉय ने तीन दिन में सड़क किनारे जमा अवैध मलबा उठाने और अवैध वाहनों को हटाने के निर्देश दिए हैं। जी-20 शिखर सम्मेलन से पहले महा सफाई अभियान दिल्ली होगी साफ चलाया है। हर रोज वार्डों का औचक निरीक्षण कर रही हैं।

नई दिल्ली। मेयर ने सड़कों के किनारे खड़े वाहनों को हटाकर तीन दिन में सड़कों को साफ करने के लिए कहा है। मेयर डॉ.. शैली ओबरॉय ने करोल बाग जोन में ग्राउंड जीरो पर जाकर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया और दिल्ली के सभी बड़े बाजारों की सड़कों के किनारे लंबे समय से खड़े वाहनों को हटाकर इनके आस पास सफाई कराने का निर्देश दिया। लंबे समय से खड़े वाहनों के नीचे, आस पास जमा कचरा तत्काल साफ कराने के लिए कहा।

दिल्ली की सड़कों की होगी सफाई

मेयर ने कहा कि वे दिल्ली को दुनिया का सबसे साफ शहर बनाना चाहती हैं। इसीलिए जी-20 शिखर सम्मेलन से पहले महा सफाई अभियान दिल्ली होगी साफ शुरू चलाया है। हर रोज वार्डों का औचक निरीक्षण कर रही हैं। मेयर डॉ. शैली ओबरॉय ने करोलबाग जोन के देव नगर वार्ड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के

दौरान मेयर ने देव नगर वार्ड की सड़कों और आंतरिक गलियों की सफाई व्यवस्था का जायजा लिया और अधिकारियों को निर्देश दिया कि ये दिल्ली का मशहूर बाजार है, विदेशी मेहमान यहां घूमन के लिए आ सकते हैं। सड़कें साफ नहीं होंगी तो दिल्ली की खराब छवि उनके मन में बनेगी।

दिल्ली के बाजारों का मेयर ने किया दौरा

उन्होंने कहा सि क्षेत्र में सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए सड़कों के किनारे वाहनों को हटवाकर सफाई की जाए। इसके अलावा अवैध मलबे उठाया जाए। निरीक्षण के दौरान मेयर ने ऑटो टिप्पर चालक से बातचीत की और ये सुनिश्चित किया कि क्षेत्र में सुचारु रूप से घर-घर जाकर कूड़ा उठाया जा रहा है। मेयर ने दुकानदारों से भी आग्रह किया कि वे अपनी दुकानों के बाहर साफ-सफाई बनाए रखें और सड़क पर कूड़ा न डालें। मेयर ने कहा की मार्केट एसोसिएशन व आरडब्ल्यूए भी सक्रिय रूप से अब दिल्ली साफ होगी अभियान में सहयोग करें।

सफाई कर्मचारियों की समस्याओं को सुना

मेयर ने महिला सफाई कर्मचारियों से बात की और उनकी समस्याओं को सुना। मेयर ने कहा कि अब उन्हें हर महीने की पहली तारीख को सैलरी मिलती रहेगी। सीएम अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व दिल्ली नगर निगम सफाई कर्मियों को कोई परेशानी नहीं होगी।

दिल्ली के शहरी विकास मंत्री @Saurabh_MLAgk जी के साथ G20 Summit की तैयारियों के कामों से संबंधित कार्यों का निरीक्षण किया। पुरानी दिल्ली के Town Hall और मिर्ज़ा गालिब हवेली आदि इलाकों का दौरा कर जमीनी हालात का जायजा लिया।

एमसीडी-311 एप का लोग करें उपयोग

मेयर डॉ. शैली ओबरॉय ने कहा दिल्ली को देश का सबसे स्वच्छ व सुंदर शहर बनाना है। दिल्लीवासी भी इस अभियान में सहयोग करें और एमसीडी-311 ऐप पर फोटो के साथ सफाई संबंधित शिकायतें दर्ज कराएं। निगम द्वारा 24 घंटे में उनकी समस्या का समाधान होगा।

ट्रॉमा से जूझ रही पीड़िता, रविवार को भी पड़ा दौरा; दिल्ली के डिप्टी डायरेक्टर पर है नाबालिग

दिल्ली के बुराड़ी इलाके में अपने मरहूम दोस्त की नाबालिग बेटी से लगातार कई महीनों तक दुष्कर्म कर उसे प्रेग्नेंट करने वाले दिल्ली सरकार के निलंबित अफसर के मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को स्वत: संज्ञान लिया है। साथ ही पीड़िता की पहचान उजागर न होने को लेकर निर्देश दिया है। कोर्ट में पुलिस ने बताया है कि पीड़िता की हालत अब भी गंभीर है।

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के निलंबित डिप्टी डायरेक्टर द्वारा नाबालिग बच्ची के लगातार दुष्कर्म किए जाने के मामले में सोमवार को दिल्ली हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है। इसके साथ ही कोर्ट ने संबंधित प्राधिकरणों को पीड़िता की पहचान छिपाए रखने के सख्त निर्देश दिए हैं। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा और जस्टिस संजीव नरूला की पीठ ने मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए दिल्ली पुलिस से बच्ची की सुरक्षा और उसकी पहचान सुरक्षित करने को कहा है।

रविवार को भी पड़ा था पीड़िता को दौरा

दिल्ली पुलिस ने अदालत को जानकारी दी है कि पीड़िता जो अस्पताल में भर्ती है उसकी हालत अब भी गंभीर बनी हुई है और उसे कल (रविवार) भी दौरा पड़ा था।

इस मामले में पीठ ने दिल्ली पुलिस, दिल्ली सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग से जवाब मांगा है और इस मामले की अगली सुनवाई 14 सितंबर तय की है।

बाल संरक्षण आयोग फाइल करेगा रिपोर्ट

सुनवाई के दौरान राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग ने अदालत में कहा कि आयोग ने मामले का संज्ञान लिया है और अपना रिस्पॉन्स भी फाइल करेगी।

इस मामले में आरोपित प्रेमोदय खाखा और उसकी पत्नी को आईपीसी की कई धाराओं और पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

रोहिणी के सरकारी स्कूल में दो लड़कों के साथ सामूहिक कुकर्म, परिजनों ने विद्यालय के गेट पर लगाया ताला

उत्तर पश्चिमी दिल्ली के एक स्कूल में सहपाठियों द्वारा दो लड़कों के साथ सामूहिक कुकर्म किया गया। नाराज अभिभावकों ने गेट पर ताला लगाकर स्कूल को बंद कर दिया और स्कूल गेट के बाहर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस के समझाने के बाद स्वजन ने अपना प्रदर्शन खत्म कर दिया और यहां से कोर्ट के लिए चले गए।

दिल्ली। दिल्ली के रोहिणी सेक्टर-11 के सरकारी स्कूल में दो बच्चों के साथ सामूहिक कुकर्म का मामला सामने आया है। जानकारी के मुताबिक, 12 और 13 साल के दो लड़कों के साथ उसी स्कूल के लड़कों ने सामूहिक कुकर्म किया।

प्रिंसिपल की गिरफ्तारी की मांग कर रहे अभिभावक

इस दरिंदगी जानकारी लगते ही आक्रोशित परिजन स्कूल पहुंचे और प्रधानाचार्य के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। मौके पर पहुंचे एसएचओ ने अभिभावकों को मामले में सख्स कार्रवाई का आश्वासन दिया।

इसके बावजूद अभिभावकों का गुस्सा शांत नहीं हुआ। उग्र अभिभावकों ने गेट पर ताला लगाकर स्कूल को बंद कर दिया है।

किसी को अंदर और बाहर जाने नहीं दिया जा रहा है। पीड़ित बच्चों के अभिभावकों स्कूल गेट के बाहर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस के काफी देर समझाने के बाद स्वजन ने अपना प्रदर्शन खत्म कर दिया और यहां से कोर्ट के लिए चले गए।

स्कूल के समर कैंप के दौरान हुई थी घटना

समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, पुलिस ने सोमवार को बताया कि उत्तर पश्चिमी दिल्ली में सहपाठियों द्वारा स्कूल के दो लड़कों के साथ कथित तौर पर सामूहिक कुकर्म किया गया। इस सिलसिले में दो मामले दर्ज किये गये हैं। पुलिस के मुताबिक, कथित घटना अप्रैल में एक स्कूल के समर कैंप के दौरान हुई थी।

पुलिस ने कहा कि दो लड़कों ने पुलिस में अलग-अलग शिकायतें दर्ज कराईं और आरोप लगाया कि पांच से छह सहपाठियों ने उनके साथ सामूहिक कुकर्म किया। सभी आरोपी नाबालिग हैं और उन्हें बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश किया गया है। मामले में आगे की जांच जारी है।

'स्कूल में भी सुरक्षित नहीं हैं बच्चे...', दो बच्चों से कुकर्म की घटना पर भाजपा ने AAP को घेरा

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि दिल्ली की स्थिति गंभीर है। विधानसभा में विपक्ष को बोलने नहीं दिया जाता है। दिल्ली में शिक्षा की स्थिति खराब है। दिल्ली देहात और अनधिकृत कॉलोनियों में क्षमता से ज्यादा बच्चों को एक कमरे में बैठाया जाता है। अलग अलग पाली में स्कूल चलाए जा रहे हैं। दिल्ली के स्कूलों से आ रही घटनाएं चिंता की बात हैं। दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा (Virendraa Sachdeva) ने सोमवार को प्रेसवार्ता कर आम आदमी पार्टी पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, जेल में बंद पूर्व उपमुखमंत्री मनीष सिसोदिया और शिक्षा मंत्री आतिशी दिल्ली के शिक्षा को लेकर बड़े बड़े दावे करते रहे हैं। सरकार और आम आदमी पार्टी के दावों की सच्चाई सामने आ रही है।

ये कैसा सर्व शिक्षा अभियान: शिक्षा से दूर बचपन को गिरफ्त में ले रहा नशा, जिम्मेदार बेखबर

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद जिले में बड़ी संख्या में 14 साल से कम उम्र के बच्चे शिक्षा से दूर हो रहे हैं। ये शिक्षा से पूरी तरह से दूर हैं। इनमें कूड़ा बीनने व भीख मांगने वाले बच्चों की संख्या ज्यादा है। कई बच्चे ऐसे हैं जिनसे जिम्मेदार विभाग संपर्क कर मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास नहीं करते।इ नका भविष्य पूरी तरह से अंधेरे में है।

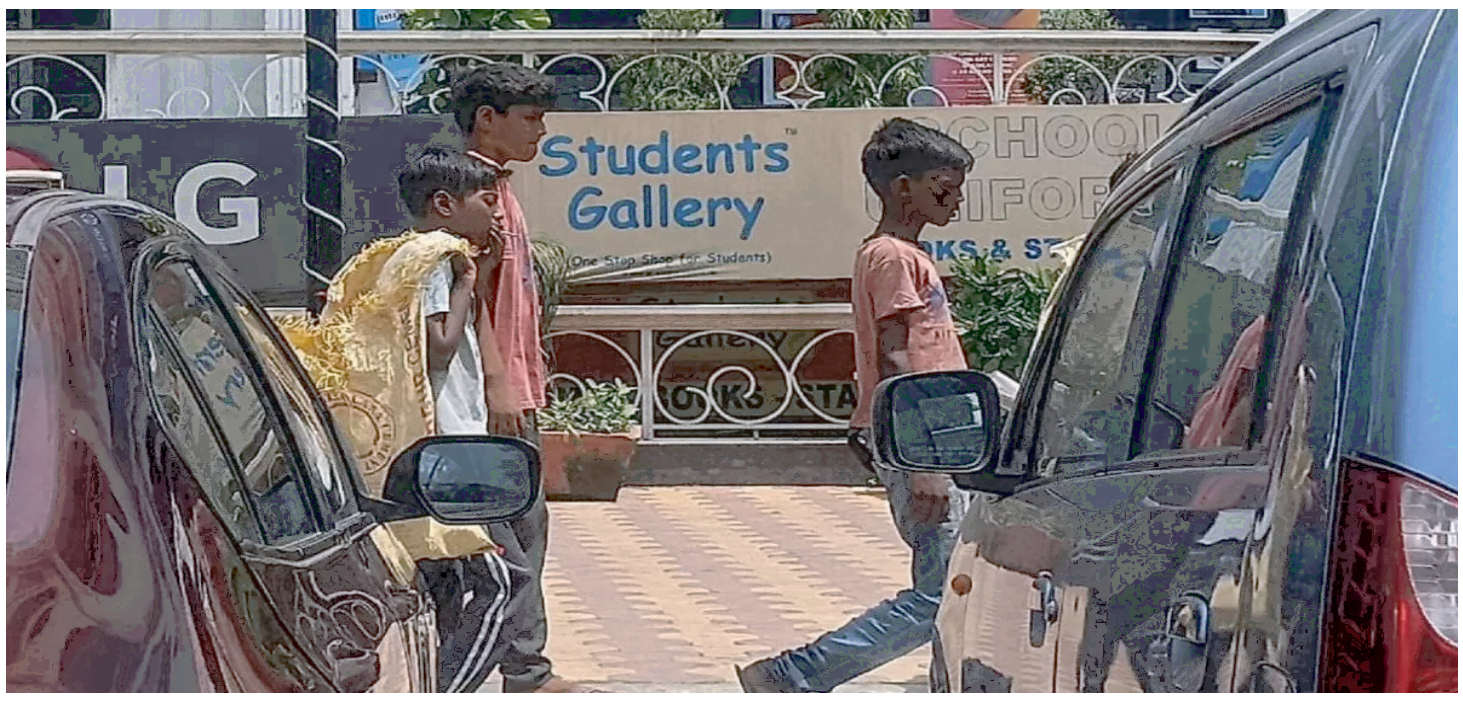

गाजियाबाद। शिक्षा से दूर बड़ी संख्या में 14 साल से कम उम्र के ऐसे बच्चे है जो पूरी तरह से नशे की गिरफ्त में आ चुके हैं। दिनभर मांगकर, कूड़ा बीनकर किसी भी तरह से कुछ रुपयों का इंतजाम सस्ता नशा करते हैं और सुबह से ही नशे की हालत में इधर-उधर पड़े रहते हैं।

दिन पर दिन मानसिक व शारीरिक रूप से बीमार हो रहे हैं। इनमें ज्यादातर बच्चों के घर व अभिभावकों का कोई अता पता नहीं है। इनका भविष्य पूरी तरह से अंधेरे में है। ये शिक्षा से पूरी तरह से दूर हैं। इनमें कूड़ा बीनने व भीख मांगने वाले बच्चों की संख्या ज्यादा है। कई बच्चे ऐसे हैं जिनसे जिम्मेदार विभाग संपर्क कर मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास नहीं करते।

ये हैं नशा करने वाले बच्चों के अड्डे

वैसे तो शहर भर में किसी भी जगह नशा करने वाले बच्चों को देखा जा सकता है। लेकिन शहर में कुछ ऐसे स्थान हैं जहां इन बच्चों ने नशा करने का अड्डा बना रखा है। इनमें मुख्य तौर पर आरडीसी, दौलतपुरा, सभी रेलवे फाटक, रेलवे स्टेशन, बजरिया, राकेश मार्ग, गांधीनगर, नवयुग मार्केट, दिल्ली गेट, जीटी रोड, लाल कुआं, पुराना बस अड्डा, नया बस अड्डा, शास्त्रीनगर, विजय नगर पार्क, कलाधाम पार्क, ज्यादातर मैट्रो स्टेशन के बाहर, राजनगर एक्सटेंशन, शहर भर के बाजार, कौशांबी, वैशाली सेक्टर-4 मार्केट, शालीमार गार्डन, वसुंधरा, रेट लाइट एरिया आदि स्थानों पर इन नशा करने वाले बच्चों व किशोरों ने नशा करने का अड्डा बनाया हुआ है।

बच्चे करते हैं सस्ते नशे

छोटे बच्चे एवं किशोर अलग-अलग तरह का नशा करते हैं। इनमें ज्यादातर कूड़ा बीनने वाले व भीख मांगने वाले बच्चों के हाथ में एक कपड़ा देखने को मिलता है जिसे वह सूंघकर नशा करते हैं।

इस कपड़े में बच्चे पंक्चर लगाने वाले ट्यूब सुलोचन (बच्चे इसे पिनक बोलते हैं) इंक रिमूवर फ्लूड को कपड़े में लगा लेते हैं और सूंघकर नशा करते हैं। कई बच्चे इस फ्लूड को चूसकर भी नशा करते हैं। इसके अलावा बीड़ी, तंबाकू, नशे की दवा, इंजेक्शन, भांग की गोली, आयोडेक्स, आदि नशा बच्चों को आसानी से उपलब्ध भी हो जाता है। इनमें कई चीजों पर कोई रोक भी नहीं है। गली नुक्कड़ की दुकानों पर इन बच्चों को 18 साल से कम उम्र होने के बावजूद बीड़ी व तंबाकू दे भी दिया जाता है। ये सभी नशे के साधन बच्चों को प्रतिदिन 10-30 रुपये तक में मिल जाते हैं। इसके लिए ये बच्चे चोरी, कूड़ा बीनना, भीख मांगना आदि काम करते हैं।

> **“ छोटे बच्चे एवं किशोर अलग-अलग तरह का नशा करते हैं। इनमें ज्यादातर कूड़ा बीनने वाले व भीख मांगने वाले बच्चों के हाथ में एक कपड़ा देखने को मिलता है जिसे वह सूंघकर नशा करते हैं।**

मानसिक व शारीरिक रूप से बीमार हो रहे बच्चे

नशा करने वाले ये बच्चे शारीरिक व मानसिक रूप से बीमार हो रहे हैं। नशा करने की वजह से इनमें ज्यादातर बच्चों की मानसिक स्थिति अच्छी नहीं है। गांधी नगर में एक बच्चे से बात करने पर वह ठीक से आंखें नहीं खोल पा रहा था और बात करने की स्थिति में नहीं था। उसे टोकने पर तुरंत वहां से भाग गया।

इनमें बच्चों के झुंड कई बार बात करने पर लोगों के ऊपर हमला कर देते हैं। साथ ही इनमें नशा करने वाले बच्चे इंजेक्शन लगाने के लिए झुंड में एक ही सीरींज का इस्तेमाल करते हैं। जिसकी वजह से इनमें एचआइवी व अन्य गंभीर रक्त संचारित रोगों का शिकार भी हो जाते हैं।

नशा करने वाले बच्चों को रेस्क्यू कर एम्स के नशा मुक्ति केंद्र भेजा जाता है। मेडिकल कराने के बाद इन्हें बाल आश्रम में शिफ्ट कर पुलिस की मदद से इनके परिवार के बारे में जानकारी की जाती है। आधार कार्ड बनवाकर इनका स्कूल में दाखिला कराया जाता है।

– भद्र दास नायर, चेयरमैन, बाल कल्याण अधिकारी

सभी आउट आफ स्कूल बच्चों को चिह्नित कर दाखिला कराया जा रहा है। इनमें जो बच्चे नशे के आदी हैं और गंभीर स्थिति में हैं उनको बाल कल्याण समिति व अन्य विभाग द्वारा नशा मुक्ति केंद्र पर उपचार कराने के बाद स्कूल में दाखिला कराया जाता है।

– ओपी यादव, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी

PM मोदी के भाषण की मुरीद हुई सीमा हैदर, चंद्रयान-3 की सफलता से खुश होकर पाकिस्तानी महिला ने लिया बड़ा

पाकिस्तान की सीमा हैदर ने भारत के चंद्रयान-3 की चांद पर सफल लैंडिंग के बाद खुशी जाहिर की थी। अब सीमा ने एक नए वीडियो में कहा कि मैं प्रधानमंत्री के भाषण से बहुत प्रभावित हुई हूं मैंने यह फैसला लिया है कि हर साल 23 अगस्त को व्रत रखूंगी। पाकिस्तानी महिला ने कहा कि चंद्रयान-3 के लैंड करने वाली जगह शिवशक्ति की पूजा भी किया करूंगी।

चांद पर चंद्रयान-3 के लैंड करने वाली जगह 'शिवशक्ति' की पूजा भी किया करूंगी। बता दें कि भारत के चंद्रयान-3 ने 23 अगस्त को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर शाम 6 बजकर 4 मिनट पर सफल लैंडिंग की थी। भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला दुनिया का पहला देश बन गया।

नोएडा। पाकिस्तान की सीमा हैदर काफी समय से सुर्खियों में है। वह इस समय उत्तर प्रदेश के नोएडा में अपने पति सचिन मीना के साथ रह रही है। पाकिस्तान की सीमा हैदर ने भारत के चंद्रयान-3 की चांद पर सफल लैंडिंग के बाद खुशी जाहिर की और अपने घर पर पटाखे फोड़े थे।

हर साल 23 अगस्त को रखेगी व्रत

अब सीमा हैदर का एक नया वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इसरो मुख्यालय में दिए गए भाषण का जिक्र कर रही है। सीमा हैदर ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री के भाषण से बहुत प्रभावित हुई हूं, मैंने यह फैसला लिया है कि हर साल 23 अगस्त को व्रत रखूंगी।

शिवशक्ति की पूजा करेगी सीमा हैदर

पाकिस्तानी महिला ने आगे कहा कि

चंद्रयान-3 की लैंडिंग के दिन भी रखा था व्रत

चंद्रमा पर चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग के लिए पाकिस्तान की सीमा हैदर ने पूजा अर्चना की थी। पाकिस्तानी महिला ने चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग के लिए व्रत भी रखा। इसके बाद चंद्रयान-3 की चांद पर लैंडिंग के बाद सीमा हैदर ने नोएडा के रबूपुरा में परिवारवालों के साथ जश्न मनाया था। इस दौरान वह अपने पति सचिन मीना के साथ पटाखे भी फोड़े थे। पाकिस्तान के सिंध की रहने वालीं सीमा हैदर पहले से शादीशुदा हैं। सीमा हैदर पबजी गेम खेलने के दौरान नोएडा के सचिन मीना के संपर्क में आई थी। फिर दोनों में करीबियां बढ़ गईं। इसके बाद सीमा अपने चार बच्चों को लेकर पाकिस्तान की सीमा लांघ नेपाल के रास्ते बस से भारत पहुंचीं और ग्रेटर नोएडा के सचिन के साथ रहने लगी।

संदिग्ध हाल में छात्र को लगी गोली, घर में मौजूद रिश्तेदार फरार; जांच में जुटी पुलिस

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद के डासना में रविवार शाम आठवीं के छात्र को संदिग्ध हालात में गोली लग गई। घटना के वक्त वह अपने कमरे में एक रिश्तेदार के साथ था। गोली लगने के बाद घर में मौजूद रिश्तेदार भी भाग गया। घर में कोई लाइसेंसी असलहा नहीं है। गोली कैसे और किस हथियार से लगी यह उन्हें नहीं पता चल सका है।

गाजियाबाद। डासना में रविवार शाम आठवीं के छात्र को संदिग्ध हालात में गोली लग गई। घटना के वक्त वह अपने कमरे में एक रिश्तेदार के साथ था। उसे संजय नगर स्थित जिला संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है।

घर में नहीं कोई हथियार

एसीपी वेव सिटी सलोनी अग्रवाल ने बताया कि अबरार के बेटे समीर को गोली लगी है। अबरार ने बताया है कि वह बाहर थे। घर पर पत्नी अफसाना और समीर थे। गोली की आवाज के साथ समीर की चीख सुनाई दी तो वह पहले तल पर उसके कमरे की ओर दौड़ीं और पड़ोसियों की मदद से उसे अस्पताल में भर्ती कराया।

अबरार के मुताबिक घर में कोई लाइसेंसी असलहा नहीं है। गोली कैसे और किस हथियार से लगी, यह उन्हें नहीं पता। गोली लगने के बाद घर में मौजूद रिश्तेदार भी भाग गया। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

महिला के साथ किया दुष्कर्म

वहीं गाजियाबाद में नौकरी के बहाने महिला को फ्लैट पर ले जाकर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर थाना क्रासिंग रिपब्लिक पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। एसीपी वेव सिटी सलोनी अग्रवाल ने बताया कि महिला फरीदाबाद की है और वह एक जाब साइट पर आरोपित राजीव नाम के व्यक्ति के संपर्क में आई थी।

राजीव ने नोएडा की एक सोसायटी में घरेलू सहायिका की जाब के बारे में बताया और शनिवार को महिला को बुलाया। आरोपित उन्हें जीएच-सात सोसायटी में अशोक के फ्लैट पर ले गया। आरोप है कि उनके जाते ही अशोक बाहर चला गया और राजीव ने महिला से दुष्कर्म किया।

शिकायत करने पर हत्या की धमकी दी और फरार हो गया। एसीपी ने बताया कि अशोक फ्लैट में किराये पर रह रहा था। आरोपित राजीव अपनी कार सोसायटी में छोड़ गया है, जिसके आधार पर पुलिस आरोपित को तलाश रही है।

हरियाणा की बहनों को CM का तोहफा, रोडवेज बसों में कर सकेंगी मुफ्त सफर

डीसी निशांत कुमार यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि सरकार द्वारा जारी निर्देशों के तहत हरियाणा रोडवेज की साधारण बसों में 29 अगस्त दोपहर 12 बजे से 30 अगस्त को रात 12 बजे तक महिलाएं निशुल्क यात्राएं कर सकेंगी। रक्षाबंधन पर्व के दिन जिन रूटों पर ज्यादा भीड़ रहेंगी उन रूटों पर बसों के फेरे बढ़ाने के लिए कहा गया है।

गुरुग्राम। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर बहनें 36 घंटे तक हरियाणा रोडवेज में मुफ्त यात्रा कर सकेंगी।

डीसी निशांत कुमार यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि सरकार द्वारा जारी निर्देशों के तहत हरियाणा रोडवेज की साधारण बसों में 29 अगस्त दोपहर 12 बजे से 30 अगस्त को रात 12 बजे तक महिलाएं निशुल्क यात्राएं कर सकेंगी। यह सुविधा दिल्ली, हरियाणा और चंडीगढ़ के लिए मान्य होगी।

व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश

डीसी ने कहा कि बहनों को यात्रा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो इसके लिए हरियाणा राज्य परिवहन निगम के गुरुग्राम जिले में स्थित सभी बस अड्डों पर सभी व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए हैं।

रक्षाबंधन पर्व के दिन जिन रूटों पर ज्यादा भीड़ रहेंगी, उन रूटों पर बसों के फेरे बढ़ाने के लिए कहा गया है। डीसी ने बताया कि हर बार की तरह इस बार भी रक्षाबंधन पर्व पर महिलाओं के साथ 15 साल तक के बच्चे फ्री में सफर कर पाएंगे।

उन्होंने कहा कि इस सुविधा का लाभ लेने के लिए बच्चों के आधार कार्ड साथ अवश्य लेकर चले ताकि कर्मचारियों को पता चल सके कि बच्चों की सही उम्र क्या है।

प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्र में 75 हजार और शहरी क्षेत्र में 50 हजार की जनसंख्या पर थाना होना चाहिए।

सरकार! प्रस्ताव न करो अनसुना, थाने हैं आधे और अपराध दोगुना

अपराध के मामले में गाजियाबाद राजधानी से ज्यादा पीछे नहीं है लेकिन लखनऊ के मुकाबले यहां थाने आधे से भी कम हैं। 13 नए थाना बनाए जाने के लिए प्रस्ताव शासन को भेजा था लेकिन पांच माह में एक भी थाने के लिए जमीन नहीं मिल पाई है। गाजियाबाद के थानों में प्रदेश में सबसे ज्यादा केस दर्ज होते हैं।

गाजियाबाद। प्रदेश के थानों में हर साल औसतन 368 एफआइआर दर्ज की जाती हैं, लेकिन गाजियाबाद कमिश्नरेट में यह आंकड़ा 798, यानी दो गुने से भी अधिक है। गाजियाबाद के थानों में प्रदेश में सबसे ज्यादा केस दर्ज होते हैं।

साल 2022 में गाजियाबाद कमिश्नरेट में 19,954 एफआइआर दर्ज हुई थीं, जबकि प्रदेश में शीर्ष राजधानी लखनऊ में 20,870 रिपोर्ट दर्ज हुई थीं। अपराध के मामले में गाजियाबाद राजधानी से ज्यादा पीछे नहीं है, लेकिन लखनऊ के मुकाबले यहां थाने आधे से भी कम हैं। 13 नए थाना बनाए जाने के लिए प्रस्ताव शासन को भेजा था, लेकिन पांच माह में एक भी थाने के लिए जमीन नहीं मिल पाई है।

55 लाख के करीब है शहर की अनुमानित आबादी

प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्र में 75 हजार और शहरी क्षेत्र में 50 हजार की जनसंख्या पर थाना होना चाहिए। कमिश्नरेट बनने के बाद गाजियाबाद महानगर घोषित हो गया है। इसलिए यहां 50 हजार की आबादी पर एक थाना होना चाहिए। शहर की अनुमानित आबादी 55 लाख के करीब है।

यहां सिर्फ 25 थाने हैं, जो आबादी के मुकाबले एक चौथाई से भी कम हैं। इसी कारण गाजियाबाद में हर थाने में दर्ज होने वाली एफआइआर की औसत संख्या प्रदेश के दो गुने से अधिक है। थाना स्वीकृत करने के लिए 1600 वर्ग मीटर जमीन होनी चाहिए। इन सभी थानों के लिए 20,800 वर्ग

मीटर जमीन की जरूरत है।

इन थानों के लिए चाहिए जमीन

साइबर थाना

नंदग्राम थाना क्षेत्र से राज नगर एक्सटेंशन थाना

सिहानी गेट थाना क्षेत्र से पटेल नगर थाना

कवि नगर थाना क्षेत्र से अवंतिका थाना

खोड़ा थाना की नेहरू गार्डन चौकी व अन्य क्षेत्र को दामोदर विहार थाना

विजय नगर थाना क्षेत्र से सिद्धार्थ विहार थाना

साहिबाबाद थाना क्षेत्र से हरनंदी थाना व रामप्रस्थ पार्क थाना

इंदिरापुरम थाना क्षेत्र से नीति खंड थाना व वसुंधरा थाना

मुराद नगर थाना क्षेत्र से रावली थाना

मुराद नगर थाना क्षेत्र व मोदी नगर के पश्चिम क्षेत्र से गंगनहर थाना

मोदी नगर थाना क्षेत्र और निवाड़ी थाना क्षेत्र से गोविंदपुरी थाना

चौकी में शुरू किए जाएं थाने

क्रासिंग रिपब्लिक, नंदग्राम, कौशांबी, टीला मोड़ और शालीमार गार्डन में समेत कई थाने पूर्व में चौकी की इमारत में ही शुरू कर दिए गए थे। सेवानिवृत्त डिप्टी एसपी एलएस मौर्य का कहना है कि थाना स्वीकृत होने पर पुलिसकर्मियों की संख्या के साथ संसाधन में भी इजाफा होता है।

फरियादियों की मदद के लिए पहली सीढ़ी भी थाना ही है। गाजियाबाद में थानों की संख्या कम है। इसीलिए अधिकांश पीड़ितों को उच्चाधिकारियों से गुहार लगानी पड़ती है। थानों की संख्या बढ़ेगी तो कानून-व्यवस्था मजबूत होगी और लोग अधिक सुरक्षित महसूस करेंगे। इसीलिए पूर्व की तरह जहां भी चौकी का भवन उपलब्ध हो, वहां शासन को तुरंत थाना की स्वीकृति देकर इसे शुरू कराना चाहिए।

सातों कमिश्नरेट में दर्ज एफआइआर का आंकड़ा

कमिश्नरेट	प्रति थाना औसत रिपोर्ट	कुल थाने	कुल एफआइआर
गाजियाबाद	798	25	19954
गौतमबुद्ध नगर	477	27	12890
प्रयागराज	421	43	18117
लखनऊ	393	53	20870
वाराणसी	296	32	9493
आगरा	293	48	14100
कानपुर नगर	284	53	15083

13 थानों का प्रस्ताव शासन को भेजा था, जो जमीन न मिलने से लटका हुआ है। प्रशासन को पत्र लिखा है। जमीन उपलब्ध होने के बाद ही थानों को स्वीकृति मिलेगी।

– अजय कुमार मिश्र, पुलिस कमिश्नर

सामूहिक दुष्कर्म के बाद महिला सुरक्षाकर्मी ने खा लिया था जहर, सफदरजंग अस्पताल में ली अंतिम सांस

गाजियाबाद की क्रॉसिंग रिपब्लिक सोसायटी में जिस महिला सुरक्षाकर्मी के साथ सामूहिक दुष्कर्म हुआ था और फिर उसने जहर पी लिया था उसने दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में सोमवार की सुबह दम तोड़ दिया। सोसायटी में रविवार दोपहर सिक्योरिटी सुपरवाइजर ने दो साथियों संग महिला सुरक्षाकर्मी से सामूहिक दुष्कर्म किया था। पुलिस ने आरोपित को मृतका के मौसेरे भाई की तहरीर पर गिरफ्तार किया था।

गाजियाबाद। क्रॉसिंग रिपब्लिक की एक सोसायटी में रविवार दोपहर सामूहिक दुष्कर्म के बाद जहर खाने वाली महिला सुरक्षाकर्मी की मौत हो गई। सोमवार सुबह दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में महिला ने अंतिम सांसें लीं। देर रात परिवार उसे नोएडा से दिल्ली के अस्पताल ले गए थे। गौरतलब है कि थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपित सिक्योरिटी सुपरवाइजर अजय को गिरफ्तार कर लिया था।

यह है पूरा मामला

क्रॉसिंग रिपब्लिक की एक सोसायटी में रविवार दोपहर सिक्योरिटी सुपरवाइजर ने दो साथियों संग महिला सुरक्षाकर्मी से सामूहिक दुष्कर्म किया। इससे आहत पीड़िता ने जहरीला पदार्थ पी लिया था। डीसीपी ग्रामीण विवेक चंद्र ने बताया कि पीड़िता के मौसेरे भाई की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर सिक्योरिटी सुपरवाइजर अजय को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि महिला ने कौन सा जहरीला पदार्थ पिया है।

अगले सप्ताह लॉन्च हो रही हैं ये धांसू कारें इलेक्ट्रिक व्हीकल का नाम भी शामिल

अगर महीने की शुरूआत में दो दमदार गाड़ियों की एंट्री होने वाली हैं। ये वहीं गाड़ियां हैं जिन्हे हाल ही में पेश किया गया था। आप भी नई कार खरीदने का प्लान बना रहे हैं तो इनमें से किसी एक को विकल्प के तौर पर चुन सकते हैं। इस लिस्ट में इलेक्ट्रिक कार का भी नाम शामिल है।

अगले सप्ताह 2 नई गाड़ी इंडियन मार्केट में लॉन्च होने के लिए तैयार हैं। अगर आप भी नई गाड़ी खरीदने का प्लान बना रहे हैं तो आप इसे विकल्प के तौर पर देख सकते थे। इस लिस्ट में होंडा की हालिया लॉन्च हुई एलिवेट और अपकमिंग इलेक्ट्रिक कार VOLVO C40 RECHARGE शामिल है।

VOLVO C40 RECHARGE EV

जून के महीने में वोल्वो ने सी40 रिचार्ज ईवी को पेश किया था। जिसकी कीमतों का खुलासा 4 सितंबर 2023 को होने वाला है। Volvo C40 Recharge EV को छह कलर ऑप्शन में पेश किया गया है। इसमें क्रिस्टल व्हाइट, ओनिक्स ब्लैक, फ्यूजन रेड, क्लाउड ब्लू, सेज ग्रीन और फोजर्ड ब्लू शामिल हैं। डिजाइन की बात करें तो इसमें क्लोज्ड-ऑफ फ्रंट फेशिया, एलईडी हेडलैंप और वर्टिकल एलईडी टेल लैंप दिए गए हैं। साथ ही इसमें 19 इंजन के 5-स्पोक डायमंड कट अलॉय दिए गए हैं।

बैटरी और रेंज

Volvo C40 Recharge EV में 78kWh क्षमता वाली लिथियम-आयन बैटरी दी गई है, जो एक बार चार्ज करने पर 530 किमी की WLTP-प्रमाणित रेंज प्रदान करती है। इसे सिंगल AWD वर्जन और डुअल-इलेक्ट्रिक मोटर सेटअप के साथ पेश किया गया है। ये इलेक्ट्रिक एसयूवी 408 hp की पीक पावर और 660 Nm का अधिकतम टॉर्क पैदा करती है। शक्ति की बात करें तो ये 4.7 सेकंड में 0-100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ लेती है और इसकी टॉप स्पीड 180 किमी/घंटा है।

HONDA ELEVATE

नई एलिवेट एसयूवी की मूल्य निर्धारण रणनीति भारतीय बाजार में होंडा की स्थिति निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। ऑटोमेकर ने पुष्टि की है कि इस एसयूवी की कीमतों का खुलासा 4 सितंबर को होगा। होंडा एलिवेट एसयूवी को चार अलग-अलग वेरिएंट में पेश किया जाएगा, जिसमें एसवी, वी, वीएक्स और जेडएक्स शामिल है। होंडा को कई कारणों से पसंद किया जाता है, लेकिन इनकी कारें भारत में ज्यादा फीचर लोडेड नहीं होती थीं।

नई एलीवेट में Honda Sensing तकनीक मिलती है जो कंपनी का ADAS का वेरिएंट है। वहीं, एलिवेट को 10.25 इंच की प्राइमरी डिस्प्ले स्क्रीन भी मिलती है, जो भारत में किसी भी होंडा मॉडल में सबसे बड़ी है। साथ ही इसमें सात इंच की ड्राइव डिस्प्ले स्क्रीन, टेलीमैटिक्स, सनरूफ और कई अन्य फीचर्स दिए गए हैं।

2030 तक ग्लोबली 27 इलेक्ट्रिक कारें लॉन्च करेगी निसान

Nissan 2030 तक 27 इलेक्ट्रिक कारें लॉन्च करेगी। इन गाड़ियों को ग्लोबली पेश किया जाएगा, जिनमें 19 प्योर ईवी होंगी।

Nissan 2030 तक 27 इलेक्ट्रिक कारें लॉन्च करेगी। इन गाड़ियों को ग्लोबली पेश किया जाएगा, जिनमें 19 प्योर ईवी होंगी।

इसके अलावा बीते दिनो कंपनी ने लास वेगास में न्यू जेनरेशन निसान लीफ ईवी को भी अनवील किया है।

इन नई इलेक्ट्रिक कार्स को लेकर जो रिपोर्ट्स सामने आई है, उनके अनुसार इन इलेक्ट्रिक कारों में क्रॉसओवर कूप, एक परफार्मेंस सेडान और CMF-EVआर्किटेक्चर पर बेस्ड एक इलेक्ट्रिक क्रॉसओवर भी शामिल होगी। इन नए इलेक्ट्रिक वाहनों के अलावा निसान सॉलिड-बैटरी टेक्नॉलाजी पर भी काम कर रही है। इसकी मदद से वाहन आसानी से काफी लंबी दूरी तय करने में सक्षम होंगे।

Tata Motors इस साल लॉन्च करेगी 4 नई इलेक्ट्रिक कारें, Harrier EV से लेकर Nexon EV Facelift लिस्ट में शामिल

वर्तमान में भारतीय कार खरीदारों के बीच बेहद लोकप्रियता हासिल कर रही टाटा पंच को हाल ही में सीएनजी पावरट्रेन विकल्प मिला है। इसे जल्द ही इलेक्ट्रिक अवतार दिए जाना है। टाटा मोटर्स 2023 के अंत तक इस इलेक्ट्रिक चार पहिया वाहन को लॉन्च करेगी। इसके अलावा कंपनी की ओर से Tata Punch EV Tata Harrier EV और Tata Curvv EV शामिल है।

नई दिल्ली। Tata Motors भारत में अपनी इलेक्ट्रिक कारों को लेकर काफी पॉपुलर है। वर्तमान में ये कंपनी ईवी दौड़ में शीर्ष पर है। अपने इलेक्ट्रिक वाहन पोर्टफोलियो को और बेहतर बनाने के लिए, भारतीय कार निर्माता घरेलू बाजार में कई तरह की नई ईवी एसयूवी लॉन्च करने के लिए तैयार है। आइए, उनकी लॉन्च टाइमलाइन पर एक नजर डाल लेते हैं।

Tata Nexon EV Facelift

जैसा कि हम सभी जानते हैं कि Tata Nexon EV को नया रूप दिया जाना है और संभवतः इसे सितंबर के मध्य में लॉन्च किया जाएगा। इसके बाद इसका इलेक्ट्रिक वर्जन यानी नेक्सॉन ईवी फेसलिफ्ट लॉन्च किया जाएगा। बदलाव नियमित नेक्सॉन फेसलिफ्ट के समान ही रहेंगे। हालांकि, अपडेटेड ईवी एसयूवी में कुछ विशिष्ट ईवी टच होंगे। अब तक, नेक्सॉन दो वेरिएंट यानी मैक्स और प्राइम में बेची जाती है। हमें उम्मीद है कि यह मामला फेसलिफ्ट मॉडल में भी जारी रहेगा और पावरट्रेन सेटअप भी बिल्कुल वैसा ही रहेगा।

Tata Punch EV

वर्तमान में भारतीय कार खरीदारों के बीच बेहद लोकप्रियता हासिल कर रही टाटा पंच को हाल ही में सीएनजी पावरट्रेन विकल्प मिला है। इसके अलावा, पंच ईवी भी कार्ड पर है और यह ब्रांड के जेन 2 सिग्मा आर्किटेक्चर पर आधारित होगी, जो अल्फा प्लेटफॉर्म का अधिक इलेक्ट्रिक-अनुकूल वेरिएंट है। कंपनी वर्तमान में पारंपरिक रूप से संचालित वाहन पर काम कर रही है।

टाटा मोटर्स 2023 के अंत तक इस इलेक्ट्रिक चार पहिया वाहन को लॉन्च करेगी। कुछ इलेक्ट्रिक-विशिष्ट टच जैसे कि ब्लू एक्सेंट, एक ब्लैक्ड-ऑफ फ्रंट ग्रिल और बहुत कुछ को छोड़कर अधिकांश भाग में डिजाइन समान रहेगा। इलेक्ट्रिक पंच की दावा की गई रेंज लगभग 30kWh के बैटरी पैक का उपयोग करके 300 किलोमीटर के आसपास होगी।

Tata Harrier EV

2023 ऑटो एक्सपो में प्रदर्शित, हैरियर का इलेक्ट्रिक डेरिवेटिव पूरी तरह से नई डिजाइन लैंग्वेज को स्पोर्ट करेगा, जो इसके आईसीई समकक्ष से काफी अलग है। हालांकि, आगामी हैरियर फेसलिफ्ट में ऑटो शो में सामने आए कॉन्सेप्ट से कुछ समानताएं होंगी। हैरियर ईवी ओमेगा-आर्क प्लेटफॉर्म पर आधारित होगी। हालांकि, इलेक्ट्रिक पॉवरट्रेन को समायोजित करने के लिए प्लेटफॉर्म पर बड़े पैमाने पर काम किया जाएगा। अगले साल यानी 2024 में किसी समय इसके बाजार में लॉन्च होने की उम्मीद है और इसमें डुअल मोटर AWD सेटअप मिलेगा।

Tata Curvv EV

टाटा मोटर की नई जेनरेशन 2 ईवी आर्किटेक्चर पर आधारित, कर्व ईवी का पिछले साल अप्रैल में अनावरण किया गया था। जेन 2 प्लेटफॉर्म और नेक्सॉन ईवी पर आधारित जेन 1 प्लेटफॉर्म का एक संशोधित संस्करण है और यह कई बॉडी प्रकारों और पावरट्रेन को समायोजित करने के लिए लचीला है। ये इलेक्ट्रिक कार एक बार चार्ज करने पर 400-500 किलोमीटर की दावा की गई रेंज के साथ आएगी। जहां तक लॉन्च टाइमलाइन का सवाल है, इस ईवी के अगले साल 2024 में लॉन्च होने की उम्मीद है और इसके बाद इसका आईसीई-संचालित संस्करण लॉन्च किया जाएगा।

चीन की सुस्ती में भारत के मौके

डा. जयंतीलाल भंडारी

इन दिनों प्रकाशित हो रही वैश्विक आर्थिक-वित्तीय संगठनों की रिपोर्टों में दो महत्वपूर्ण बातें उभरकर दिखाई दे रही हैं। एक, वैश्विक अर्थव्यवस्था में चीन की सुस्ती का दौर है और भारत की विकास दर चीन की तुलना में तेजी से बढ़ रही है। दो, चीन की बढ़ती हुई आर्थिक समस्याओं और आपदाओं के बीच भारत के लिए आर्थिक अवसरों का नया दौर आकार ग्रहण करते हुए दिखाई दे रहा है।

अब भारत के द्वारा विभिन्न देशों के साथ एफटीए के लिए वार्ताएं तेजी से पूरी करनी होंगी। रुपए को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा के रूप में स्थापित करने के लिए अधिक प्रयास करने होंगे। मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर को ज्यादा बढ़ावा देने पर ध्यान देना होगा। चूंकि वर्ष 2050 तक भारत की ऊर्जा मांग दोगुनी बढ़ जाएगी, ऐसे में इसके लिए भारत को अपने पारंपरिक और गैर-पारंपरिक ऊर्जा क्षेत्रों के बीच बेहतर तालेमल करना होगा। निश्चित रूप से ऐसे रणनीतिक प्रयासों से भारत चीन की आर्थिक आपदाओं के बीच नए अवसरों को मुट्ठियों में करते हुए दिखाई दे सकेगा'

इन दिनों प्रकाशित हो रही वैश्विक आर्थिक-वित्तीय संगठनों की रिपोर्टों में दो महत्वपूर्ण बातें उभरकर दिखाई दे रही हैं। एक, वैश्विक अर्थव्यवस्था में चीन की सुस्ती का दौर है और भारत की विकास दर चीन की तुलना में तेजी से बढ़ रही है। दो, चीन की बढ़ती हुई आर्थिक समस्याओं और आपदाओं के बीच भारत के लिए आर्थिक अवसरों का नया दौर आकार ग्रहण करते हुए दिखाई दे रहा है। चीन-ताइवान के बीच चरम पर पहुंची तनातनी और चीन के द्वारा अपनाई जा रही अमेरिका के विरोध की रणनीति के कारण चीन से निकलकर एप्पल, सैमसंग जैसी कई बड़ी कंपनियां भारत में काम शुरू कर चुकी हैं। हाल ही में दुनिया की दिग्गज आर्थिक शोध व बाजार पर नजर रखने वाली ब्रोकरेज फर्म मोर्गन स्टेनली के द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक भारत की विकास दर चालू वित्त वर्ष 2023-24 में 6.2 फीसदी के साथ चीन से अधिक है। इस दशक के अंत तक जहां भारत की विकास दर 6.5 प्रतिशत पर रहेगी, वहीं चीन 3.9 प्रतिशत की सुस्त दर से विकास करेगा, यानी भारत की विकास दर की रफ्तार चीन से दो-तिहाई ज्यादा रहेगी। खास बात यह है कि मार्गन स्टेनली ने भारत की इकोनॉमिक आउटलुक रेटिंग बढ़ाकर ओवरवेट, तो चीन की घटाकर इक्वलवेट की है। ओवरवेट रेटिंग का मतलब बाजार दूसरों से बेहतर प्रदर्शन कर रहा है और आगे भी प्रगति की पूरी संभावनाएं है। भारत की इकोनॉमी अपनी श्रेणी के दूसरे देशों से बेहतर करेगी, जिसकी वजह से इसका शेयर बाजार भी बेहतर प्रदर्शन करेगा। चीन की रेटिंग का इक्वलवेट होना बताता है कि चीन के प्रति वैश्विक निवेशकों की भावना नकारात्मक है। चीन की आउटलुक रेटिंग गिरना यह संकेत भी है कि चीन के बाजारों में निवेश के अवसरों में कमी आने की संभावनाएं बनी हुई हैं। यदि हम चीन की अर्थव्यवस्था को देखें तो पाते हैं कि वित्त वर्ष 2023-24 की डगर पर चीन की अर्थव्यवस्था निराशाओं और मुश्किलों से घिरी हुई है। विश्व बैंक के मुताबिक चीन की विकास दर करीब 5.6 फीसदी रह सकती है। चीन के बाजार में सुस्त उपभोक्ता खर्च, निर्यात में गिरावट, संकट ग्रस्त संपत्ति बाजार, बढ़ती बेरोजगारी, भारी स्थानीय सरकारी ऋण, घरेलू मांग में कमी, कमोडिटी की कीमतों से लेकर इक्विटी बाजारों तक गिरावट, कर्मचारियों की छंटनी जैसी आर्थिक मुश्किलों और आपदाओं का परिवेश दिखाई दे रहा है। कुछ साल पहले बार-बार यह कहा जा रहा था कि चीन तेजी से दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में अमेरिका से आगे निकल जाएगा और वर्ष 2028 तक दुनिया की सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बन जाएगा।

लेकिन अब अमेरिका की आर्थिक स्थिति तक पहुंचने में चीन को निश्चित रूप से अधिक समय लगेगा। अर्थविशेषज्ञों का मत है कि चीन 30 वर्षों की अभूतपूर्व आर्थिक वृद्धि के बाद जापान शैली की धीमी विकास की स्थिति की तरह दिखाई दे रहा है। अमेरिका की इकोनॉमिस्ट इंटेलीजेंस यूनिट के मुताबिक चीन को अमेरिका से आगे निकलने के लिए 2040 के दशक तक इंतजार करना होगा। राष्ट्रपति शी जिनपिंग की सरकार के पास आर्थिक चुनौतियों के समाधान के लिए आसान विकल्प नहीं हैं। दूसरी ओर भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है। मॉर्गन स्टेनली ने अपनी रिपोर्ट में भारत को एशिया के सबसे उभरते बाजारों की लिस्ट में पहले नंबर पर रखा है। भारत में ढांचागत विकास की तेजी, बढ़ते विदेशी निवेश, बढ़ते शेयर बाजार, मजबूत राजनीतिक नेतृत्व, मध्यम वर्ग की ऊंची क्रय शक्ति, कॉर्पोरेट टैक्स में कटौती, प्रोडक्शन लिंक्ड इनसेंटिव (पीएलआई) स्कीम तथा बढ़ते हुए कामकाजी उम्र वाले लोग अर्थव्यवस्था की ताकत बढ़ा रहे हैं। एसऐंडपी ग्लोबल ने अपनी 'लुक फॉरवर्ड : इंडियाज मूमेंट' रिपोर्ट 2023 में कहा है- वित्त वर्ष 2023-24 से वित्त वर्ष 2031-32 तक भारत औसतन 6.7 फीसदी सालाना दर से आगे बढ़ेगा। इस समयावधि में भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 3.4 लाख करोड़ डॉलर से बढक़र 6.7 लाख करोड़ डॉलर यानी लगभग दोगुना हो जाएगा।

रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रति व्यक्ति जीडीपी भी बढक़र करीब 4500 डॉलर हो जाएगी। यह कोई छोटी बात नहीं है कि एक वर्ष पहले दुनिया के प्रमुख आर्थिक और वित्तीय संगठनों की रिपोर्टों में कहा जा रहा था कि दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा रखने वाला भारत वर्ष 2030 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में दिखाई देगा, लेकिन अब अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ), अमेरिकी इन्वेस्टमेंट बैंक मॉर्गन स्टेनली जैसे कई वैश्विक संगठनों की रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि भारत 2027 तक जापान और जर्मनी को पीछे छोडक़र दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरकर सामने आएगा। इसी तरह स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की शोध इकाई इकोरैप की रिपोर्ट में भी कहा गया है कि भारत वर्ष 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की तरफ अग्रसर है। रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2023-24 की अप्रैल से जून की पहली तिमाही में भारत की आर्थिक विकास दर 8 फीसदी से ज्यादा रहने वाली है। इससे चालू वित्त वर्ष के दौरान सालाना विकास दर के 6.5 फीसदी रहने की संभावना बन गई है। रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2027 तक अमेरिकी इकोनॉमी का आकार 31.09 ट्रिलियन डॉलर का होगा और यह पहले स्थान पर होगी। दूसरे स्थान पर चीन 25.72 ट्रिलियन डॉलर के साथ होगा। तीसरे स्थान पर भारत 5.15 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के रूप में दिखाई देगा।

निश्चित रूप से इस समय जहां एक ओर चीन की आर्थिक आपदाओं के बीच वैश्विक आर्थिक अवसरों को मुठी में करने तथा वहीं दूसरी ओर भारत को 2027 तक दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की संभावनाओं को साकार करने के लिए कई बातों पर ध्यान देना होगा। नई लॉजिस्टिक नीति, गति शक्ति योजना के कारगर कार्यान्वयन पर अधिक ध्यान देना होगा। ध्यान देना होगा कि भारत की ज्यादा से ज्यादा महिलाओं को प्रशिक्षित कार्यबल में परिणित किया जाए। दुनिया की सबसे अधिक युवा आबादी वाले भारत को बड़ी संख्या में युवाओं को डिजिटल कारोबार के दौर की और नई तकनीकी योग्यताओं के साथ एआई, क्लाउड कम्प्यूटिंग, मशीन लर्निंग एवं अन्य नए डिजिटल स्किल्स से सुसज्जित किया जाना आवश्यक होगा। अब भारत के द्वारा विभिन्न देशों के साथ एफटीए के लिए वार्ताएं तेजी से पूरी करनी होंगी। रुपए को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा के रूप में स्थापित करने के लिए अधिक प्रयास करने होंगे। मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर को ज्यादा बढ़ावा देने पर ध्यान देना होगा। चूंकि वर्ष 2050 तक भारत की ऊर्जा मांग दोगुनी बढ़ जाएगी, ऐसे में इसके लिए भारत को अपने पारंपरिक और गैर-पारंपरिक ऊर्जा क्षेत्रों के बीच बेहतर तालेमल करना होगा। निश्चित रूप से ऐसे रणनीतिक प्रयासों से भारत चीन की आर्थिक आपदाओं के बीच नए आर्थिक अवसरों को मुट्ठियों में करते हुए दिखाई दे सकेगा। साथ ही इससे देश के आम आदमी, उद्योग-कारोबार तथा संपूर्ण अर्थव्यवस्था के लिए विकास का नया दौर निर्मित होते हुए दिखाई देगा। भारत का भविष्य चमकीला लगता है।

संपादक की कलम से

स्कूल में थप्पड़ कांड

आज हम बेहद आहत हैं। नींद और मानसिक चैन गायब हो गए हैं। हमने ऐसे स्कूल और शिक्षक की कल्पना भी नहीं की थी। ऐसा स्कूल, जहां सहपाठी की पिटाई महज इस आधार पर कराई जाए कि वह मुसलमान है! स्कूलों और कक्षाओं में कब से हिंदू-मुसलमान होने लगा? यह स्थिति तब बेहद नाजुक और संवेदनशील हो जाती है, जब एक महिला शिक्षक अपने छात्रों को आदेश दे कि मुस्लिम सहपाठी को थप्पड़ मारो! शिक्षिका को यह अधिकार किस संविधान और कानून में दिया गया है? कानून तो स्पष्ट है कि अब कोई भी अध्यापक, किसी भी छात्र को, स्कूल परिसर या क्लास-रूम में, शारीरिक रूप से पीट कर आहत, चोटिल नहीं कर सकता। उसे मानसिक आघात नहीं पहुंचा सकता, जो जिंदगी भर उसे मथता रहे। फिर भी हमारे ग्रामीण, पिछड़े इलाकों के स्कूलों में छात्रों को पिटाई का दंड दिया जाता है। चलो, इसे गुरु-शिष्य की प्राचीन परंपरा का एक उदाहरण माना जा सकता है, लेकिन शिक्षक ही 'सांप्रदायिक जहर' फैलाने लगे, तो उसका दंड क्या होना चाहिए? पश्चिमी उप्र के मुजफ्फरनगर जिले के एक गांव में ऐसा ही हुआ है। मुजफ्फरनगर सांप्रदायिक दंगों के लिए कुख्यात रहा है। स्कूली छात्र यूकेजी का विद्यार्थी है। उसे '5' का पहाड़ा आता था अथवा नहीं, लेकिन महिला शिक्षिका ने कक्षा के छात्रों को आदेश दिया कि वे उस छात्र के गाल पर थप्पड़ मारें। सहपाठियों को वैसा ही करना पड़ा, लेकिन छात्र का चेहरा लाल हो गया, तो शिक्षिका ने कमर पर मारने के निर्देश दिए। यदि किसी छात्र को पहाड़े नहीं आते या याद नहीं हैं अथवा उसने गृह-कार्य नहीं किया है, तो किस कानून की धाराओं में प्रावधान हैं कि उस बच्चे को थप्पड़ मारे जाएं? सिर्फ यही नहीं, उस शिक्षिका का यह कथन भी सार्वजनिक हुआ है-'मैंने तो डिक्लेयर कर दिया, जितने भी मुहम्मडन बच्चे हैं, इनके वहां चले जाओ।' शिक्षिका की मानसिकता साफ है कि मुस्लिम छात्र किसी दूसरे इलाके के स्कूल में चले जाएं अथवा मदरसों में चले जाएं।

क्यों चले जाएं'.भारत में प्राथमिक शिक्षा अनिवार्य और निःशुल्क है। यदि शिक्षक स्कूल में पढ़ा रहे हैं और किसी भी छात्र का प्रवेश किया गया है, तो शिक्षक जाति, धर्म, मत, संप्रदाय और नस्ल के आधार पर कोई फैसला नहीं ले सकता। स्कूल में हिंदू-मुसलमान विभेद करने वाली शिक्षिका को ऐसे अधिकार किसने दिए हैं? दरअसल हम शिक्षिका का दोहरा अपराध मानते हैं। एक तो उसने थप्पड़ कांड कराया है। दूसरे, उसने एक छात्र को चोटिल, आहत किया है। जीवन भर के मानसिक घाव दिए हैं। वह शिक्षिका दंड की भागी है। लगभग ऐसी ही घटना जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले के एक स्कूल में हुई है। वहां प्रधानाचार्य और अध्यापक ने 10वीं कक्षा के छात्र को इसलिए पीटा, क्योंकि उसने ब्लैक बोर्ड पर 'जय श्रीराम' लिख दिया था। वहां छात्र हिंदू था और शिक्षक मुसलमान थे। यह कैसी शिक्षा-संस्कृति पनपती जा रही है? ऐसी घटनाएं राजस्थान, झारखंड, मध्यप्रदेश, कश्मीर, बंगाल आदि राज्यों में होती रही हैं। कश्मीर में एक प्राध्यापक ने अनुच्छेद 370 रद्द करने का विरोध किया, तो उसे नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया। किसी ने प्रधानमंत्री मोदी का पुतला जलाया, तो उस पर रासुका थोप दिया गया और जेल में ठूंस दिया गया। यह क्या हो रहा है हमारे देश में? एनसीआरईटी के लंबे समय तक निदेशक रहे प्रो. जेएस राजपूत की टिप्पणी बेहद मर्माहत लगती है कि उन्होंने 1962 में पढ़ाना शुरू किया था, लेकिन आज वह अध्यापक होने पर ही शर्मिन्दा महसूस कर रहे हैं। बेशक आरोपित शिक्षिका के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है, लेकिन धाराएं कमजोर और जमानती हैं। यही नहीं, गांव और समाज के प्रधाननुमा चेहरे, पिटने वाले बच्चे के पिता और पुलिस पर, दबाव बना रहे हैं कि समझौता कर लिया जाए। मुद्दे को सांप्रदायिक रंग न दिया जाए, लेकिन थप्पड़ कांड वाली शिक्षिका की जिम्मेदारी कौन तय करेगा? घरों में चलने वाले ऐसे स्कूल छात्रों को कैसी तालीम दे रहे हैं? सांप्रदायिक जहर पढ़ाया जाएगा, तो देश के हालात कैसे हो सकते हैं? वैसे भी हमारी राजनीति, समाज और सोच सांप्रदायिक तौर पर विभाजित है। कमोबेश ऐसे स्कूलों पर ताला लटका दिया जाना चाहिए।

राय

आत्मनिर्भरता का सफर

एचआरटीसी ने अपने वित्तीय बोझ को कम करने के लिए जनता के बोझ को उठाने का दायरा बढ़ाया है। कभी सवारी मुफ्त में अपने सामान की जिम्मदार होती थी, लेकिन अब सवारी अलग टिकट पर होगी, तो सामान भी टिकट लेने का हकदार होगा। सरकारी बसों की बोझ उठाने की क्षमता का मूल्यांकन होना अभी बाकी है, लेकिन प्रबंधन ने यह तय कर दिया है कि आइंदा घरेलू फर्नीचर तथा नागरिकों की जरूरत का सामान भी इनकी छत पर ढोया जाएगा। आय बढ़ाने के लिए हाथ पांव मारना जरूरी है, लेकिन जब तक सेवा भावना में संकल्प नहीं होगा, घोषणाएं मिट्टी के पुतले की तरह नाजुक बनी रहेंगी। इससे पूर्व कूरियर सर्विस शुरू करके ऐसी ही एक पहल हुई थी, लेकिन बिना मुकाम हासिल किए यह सफर खत्म हो गया। मसला प्रबंधन और कार्यसंस्कृति का है। कभी मंडी-कुल्लू सडक़ परिवहन निगम के तहत ऐसी सेवाएं चलती रही हैं, लेकिन अब तो सवारियों को बैठाने तक के लिए फुर्सत नहीं है तो सामान चढ़ाने और उतारने के लिए मेहनत कौन करेगा। यात्रियों का अनुभव बताता है कि सामान के साथ बस का इंतजार करेंगे, तो गाड़ी 'छलांगा' मारती निकल जाएगी। बेशक फैसलों की नीयत में कोई खोट नहीं और एचआरटीसी को घाटे से उबरने के लिए हर संभावना पर गौर करना होगा, लेकिन हिमाचल में परिवहन का शिष्टाचार बदलने की जरूरत है। सार्वजनिक परिवहन के तौर तरीके पूरी तरह बदलने होंगे। वर्तमान रूट-परमिट इस हिसाब से आबंटित नहीं हुए हैं कि सवारियों के साथ सामान भी रवाना किया जा सके। जब से महिला यात्रियों के किराए में पचास फीसदी की छूट है, सरकारी बसों में इस वर्ग की कृपा ने कहीं अधिक सीटें घेर रखी हैं। इसमें दो राय नहीं कि हिमाचल के भीतर सामान को एक कोने से दूसरे छोर तक ले जाने का व्यवसाय बढ़ा है और अगर एचआरटीसी इसमें से आधा भाग उठा ले, तो कितने ही घाटे के रूट फायदे में बदल जाएंगे।

खास तौर पर नाइट बसों की कतार में अगर कूरियर उठाने के घुंघरू बांध दिए जाएं, तो फायदे का कारवां चल निकलेगा, लेकिन इसके लिए एचआरटीसी का वर्तमान ढर्रा नहीं चलेगा। एचआरटीसी को कुछ स्टार्ट अप व कूरियर सर्विस अपने अभियान के साथ जोडऩे पड़ेंगे, बसों की बॉडी में आवश्यक परिवर्तन तथा माल ढुलाई की सुरक्षित व्यवस्था को अंजाम देना पड़ेगा। दिल्ली, चंडीगढ़, देहरादून, जालंधर, लुधियाना, अमृतसर व पठानकोट जैसे शहरों से हिमाचल की एक सप्लाई चेन जुड़ती है। अगर भविष्य की बसों में प्रशीतन के साथ भंडारण कक्ष होगा, तो राज्य में स्थापित फूड चेन को हर दिन कम दरों पर सामग्री की आपूर्ति हो सकती है। विडंबना यह है कि जब एक निजी बस सफर पर निकलती है, तो यह अपनी क्षमता का पूर्ण दोहन करती है, लेकिन जब सरकारी बस गंतव्य चुनती है, तो वहां अधिकारों व अधिकारियों का एक लंबा काफिला भी निकलता है। हिमाचल के लिए सडक़ परिवहन एकमात्र वांछित माध्यम है, लेकिन इसकी क्षमता के अनुरूप सरकारी बसों ने अपनी आमदनी को अठन्नी बना कर पचास प्रतिशत संभावना गंवा दी है। एचआरटीसी प्रदेश में कम से कम सौ बस स्टैंड को अगर निजी पूंजी निवेश से जोडक़र उन्हें भविष्य के मॉल, फूड मॉर्ट व मनोरंजन स्थल के रूप में संचालित करे, तो घाटे के दलदल से बाहर निकला जा सकता है। एचआरटीसी को पर्यटन पार्टनर के रूप में बाहरी राज्यों से सैलानियों को पैकेज ऑफर करने चाहिएं। मसलन दिल्ली से अगर एचआरटीसी पैकेज के रूप में सैलानी मनाली लाती है, तो पर्यटन निगम के होटल भी व्यस्त रहेंगे, जबकि सरकारी बसें लोकल साइट सीईंग के अलावा प्रदेश के दूसरे भागों तक ले जाने में सक्षम हैं। बहरहाल एचआरटीसी ने आत्मनिर्भरता की फाइल खोली है, पूर्ण रूप से स्वावलंबन के लिए पूरी पद्धति और मानसिकता में बदलाव करना पड़ेगा।

हाजीपीर के योद्धाओं को याद करे राष्ट्र

प्रताप सिंह पटियाल

भारतीय सेना ने पीओके में हमले को अंजाम देकर 28 अगस्त 1965 के दिन हाजीपीर को फतह करके पाक सरजमीं पर तिरंगा फहरा दिया था। मगर पाक सेना को शिकस्त देने वाली भारतीय सेना पर ताशकंद समझौता भारी पड़ गया'

वजूद में आते ही पाकिस्तान की जम्हूरियत पर फौजी जरनैलों की हुक्मरानी काबिज हो गई थी। पाकिस्तान के पहले सदर इस्कंदर मिर्जा को जिलावतन करके पाक सिपाहसालार अयूब खान ने अक्तूबर 1958 में अपनी सैन्य हुकूमत कायम की तो पाक जरनैल की नापाक निगाहें कश्मीर हथियाने का ख्वाब देखने लगीं। अप्रैल 1965 में पाक सेना ने गुजरात के रण ऑफ कच्छ व सरक्रीक क्षेत्रों पर कब्जा करने के लिए आपरेशन 'डेजर्ट हॉक' को अंजाम दे दिया था। ब्रिगेडियर इफ्तिखार जंजुआ की कयादत में पाक सेना की 51वीं ब्रिगेड मिशन डेजर्ट हॉक में शामिल थी। लेकिन भारतीय सेना ने पलटवार करके डेजर्ट हॉक मंसूबे को नाकाम कर दिया। रण ऑफ कच्छ में शिकस्त से बौखलाई पाक सेना ने 5 अगस्त 1965 को अपनी 'आजाद कश्मीर रेजिमेंट' के हजारों सैनिकों व मुजाहीदीनों को सिविल लिबास में जम्मू-कश्मीर क्षेत्र में हथियारबंद घुसपैठ करवाकर ऑपरेशन 'जिब्राल्टर' की मंसूबाबंदी को अंजाम दिया था। घुसपैठ का मकसद कश्मीर की आवाम को भारत के विरुद्ध उकसा कर बगावत का माहौल पैदा करना था। पाक सेना ने जिब्राल्टर फोर्स को पांच हिस्सों में तकसीम किया था। पुंछ क्षेत्र में 'गजनवी फोर्स' तैनात थी जिसकी कमान भारत विभाजन से पूर्व 'आजाद हिंद फौज' के सैनिक रहे मेजर 'मलिक मुन्नवर खान अवान' को सौंपी गई थी।

पुंछ क्षेत्र में घुसपैठ की जानकारी मिलते ही भारतीय सेना का गश्ती दल घुसपैठियों की तलाश में निकला। उस गश्ती दल का नेतृत्व हिमाचली शूरवीर कैप्टन 'चंद्र नारायण सिंह' (2 गढ़वाल) कर रहे थे। पाक ऑपरेशन जिब्राल्टर पर पहला वार करने वाले कै. चंद्र नारायण उस समय पुंछ के सेना मुख्यालय में तैनात थे। अपने सैन्य दल का साहसी नेतृत्व करते हुए चंद्र नारायण ने कई पाक घुसपैठियों को मौत के घाट उतार कर जिब्राल्टर साजिश की पूरी तजवीज को बेनकाब कर दिया था, मगर उसी आक्रामक कार्रवाई के दौरान भीषण गोलीबारी में कै. चंद्र नारायण सिंह 5 अगस्त 1965 के दिन वीरगति को प्राप्त हो गए। चंद्र नारायण की कुशल रणनीति व साहस ने भारत को पाकिस्तान की एक बड़ी साजिश से महफूज बचा लिया था। दुश्मन के समक्ष असीम वीरता का परिचय देने वाले कै. चंद्र नारायण सिंह को सेना ने 'महावीर चक्र' (मरणोपरांत) से अलंकृत किया था। पाक मंसूबे जिब्राल्टर का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए भारतीय सेना नियंत्रण रेखा की बंदिशों को तोडक़र 'पीओके' में मौजूद सामरिक महत्व वाले जंगी मोर्चे 'हाजीपीर' को अपने नियंत्रण में लेकर पाक सेना को सबक सिखाने का ऐतिहासिक फैसला ले चुकी थी। पुंछ व उड़ी के बीच पीओके के अंदर मौजूद एक बड़ा इलाका हाजीपीर पाक घुसपैठ का मरकज रहा है। भारतीय सेना ने बेहद दुर्गम क्षेत्र

हाजीपीर के महाज पर पाक सेना के खिलाफ 15 अगस्त 1965 के दिन 'आपरेशन बख्शी' नामक सैन्य मिशन को अंजाम दिया था। रक्तरंजित सैन्य संघर्ष में कई दिनों की कड़ी मशक्कत के बाद भारतीय सेना ने 28 अगस्त 1965 के दिन हाजीपीर पर कब्जा कर लिया था।

हाजीपीर के 'बदोरी' इलाके में पाक सेना को शिकस्त देकर तिरंगा फहराने वाली बटालियन '19 पंजाब' के हिमाचली जांबाज 'लाखा सिंह' ने संगीन से कई पाक सैनिकों को हलाक करके हाजीपीर की भीषण जंग में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था। रणभूमि में अनुकरणीय साहस के लिए सेना ने लांस नायक लाखा सिंह को 'वीर चक्र' (मरणोपरांत) से अलंकृत किया था। हाजीपीर की शदीद जंग में 19 पंजाब के मेजर रणबीर सिंह 'वीर चक्र' सहित 21 जवान जांवाहक हो गए थे। हाजीपीर युद्ध में साहसी नेतृत्व के लिए 19 पंजाब के कमान अधिकारी कर्नल सम्पूर्ण सिंह को सेना ने 'महावीर चक्र' व 'वीर चक्र' से सरफराज किया था। हाजीपीर के नजदीक 'चांद टेकरी' पर कब्जा करने वाली बटालियन '3 डोगरा' में सेवारत बिलासपुर के सिपाही सुखराम सिंह ठाकुर 'वीर चक्र' ने शत्रु की पोजीशन पर हमले के दौरान शहादत को गले लगा लिया था। इसी यूनिट के कै. 'प्रेम सिंह गुलेरिया' को युद्ध में शूरवीरता के प्रदर्शन के लिए 'वीर चक्र' से नवाजा गया था। हाजीपीर के उसी युद्ध में पाक सेना पर जोरदार हमला करके 'गिट्टयां' क्षेत्र पर कब्जा जमाने वाली बटालियन '6 डोगरा' के हिमाचली रणबांकुरे हवलदार 'कांशी राम' 'वीर चक्र' दुश्मन की पोस्ट को खामोश करके मैदाने जंग में बलिदान हो गए थे। हाजीपीर को कब्जाने में सेना की 'प्रथम पैराशूट' रेजिमेंट ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। पैरा कमांडो ने पाकिस्तानी कै. मकसूद को पाक सैन्य दल के साथ हिरासत में ले लिया था। पैराशूट के मेजर 'रणजीत सिंह दयाल' को साहसी नेतृत्व के लिए 'महावीर चक्र' तथा हवलदार उमराव सिंह को 'वीर चक्र' से सम्मानित किया गया था। हाजीपीर युद्ध में बहादुरी का मुजाहिरा करने वाली बटालियन 'प्रथम पैराशूट' तथा '6 डोगरा' को 'हाजीपीर' 'बैटल ऑनर' का सम्मान हासिल है।

उसी युद्ध में 'चार राजपूत' यूनिट के भयंकर हमले में पाक सेना भागने पर मजबूर हुई थी। राजपूतों ने हाजीपीर के 'बिसाली' क्षेत्र पर कब्जा जमाया था। पीओके के हाजीपीर व कहूटा सहित बड़े भू-भाग को फतह करने का खाका तैयार करने वाले सेना के मुख्य मुस्सविर तथा युद्ध में हमलावर सैनिक का किरदार निभाने वाले ब्रिगेडियर 'जोरावर चंद बख्शी' को रणभूमि में उत्कृष्ट सैन्य संचालन के लिए 'महावीर चक्र' से अलंकृत किया गया था। भारत के खिलाफ युद्ध का आगाज करने वाले पाक हुक्मरानों की जंगी सनक को खाक में मिलाकर भारतीय सेना ने युद्ध का अंजाम हर बार विजयी अंदाज से तय किया है। बहरहाल भारतीय सेना ने पीओके में हमले को अंजाम देकर 28 अगस्त 1965 के दिन हाजीपीर को फतह करके पाक सरजमीं पर तिरंगा फहरा दिया था। मगर पाक सेना को मैदाने जंग में शिकस्त-ए-फाश देने वाली भारतीय सेना की दास्तान-ए-शुजात पर ताशकंद समझौता भारी पड़ गया, अन्यथा पीओके आज भारत का हिस्सा होता। कश्मीर हथियाने वाली पाक साजिश मिशन जिब्राल्टर को ध्वस्त करने वाले हाजीपीर के फातिम योद्धाओं को शत्-शत नमन। पाकिस्तान के लिए कश्मीर ख्वाब रहेगा।

चिंतन विचार

मुजफ्फरनगर में स्कूल को चुनावी प्रयोगशाला

राकेश त्रिपाठी

योगी आदित्यनाथ के रूप में उत्तर प्रदेश में एक ऐसा सफल प्रशासक मिला जिसने मजहबी तुष्टिकरण की नीति को पूरी तरह से धूल-धूसरित कर दिया। कानून व्यवस्था के सख्त प्रभाव के कारण उत्तर प्रदेश से सांप्रदायिक दंगे पूरी तरह से समाप्त हो गए।

चिंगारी का खेल बुरा होता है। विशेष तौर पर जहां ज्वलनशील पदार्थ हो वहां चिंगारी जानलेवा हो सकती है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के हालात कुछ इसी प्रकार के हैं विशेष कर मुजफ्फरनगर। देश भूला नहीं है वर्ष 2013 में कवाल गांव में सचिन और गौरव की बहन के साथ छेड़खानी की घटना हुई थी जिसका विरोध करने पर सचिन और गौरव की पीट पीट कर हत्या हो गई। हत्यारों पर कार्रवाई ना किये जाने से आक्रोश उन्माद में तब्दील हो गया और एक ऐसा मामला जो मजबूत कानून व्यवस्था से रोका जा सकता था, सांप्रदायिक दंगे में बदल गया।

60 से अधिक लोगों की जान गई, सैंकड़ो लोगों के मकान जले, लोगों के रोजी रोजगार गए, हजारों लोगों को शरणार्थी जीवन बिताना पड़ा। दंगे की इस त्रासदी को हिंदू और मुसलमान दोनों ने झेला। मुजफ्फरनगर दंगे से आसपास के कई जिले प्रभावित हुए। तत्कालीन अखिलेश सरकार की मजहबी तुष्टिकरण की नीति ने दंगों की आग पर पानी डालने के बजाय पेट्रोल छिड़का। कर्फ्यू लगा, कई बेगुनाह जेल भेजे गए, भाजपा के दो विधायकों पर गलत ढंग से रासुका तामील करने की कोशिश की। इन सारे कारणों से बात बनने की बजाय और बिगड़ती गयी। वक्त सबसे बड़ा मरहम होता है, वक्त बीता और जख्म धीरे-धीरे सूखने लगे। उत्तर प्रदेश में सत्ता का परिवर्तन भी हो गया।

योगी आदित्यनाथ के रूप में उत्तर प्रदेश में एक ऐसा सफल प्रशासक मिला जिसने मजहबी तुष्टिकरण की नीति को पूरी तरह से धूल-धूसरित कर दिया। कानून व्यवस्था के सख्त प्रभाव के कारण उत्तर प्रदेश से सांप्रदायिक दंगे पूरी तरह से समाप्त हो गए। ना केवल कांवड़ यात्रा में डीजे पर लगी रोक हटी बल्कि सुगम कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा कर जनमानस का भरोसा भी जीता गया। बिना भेदभाव के मंदिर और मस्जिद दोनों से ध्वनि विस्तारक यंत्र हटवाए गए। समाज में भरोसा स्थापित हुआ कि अगर कोई गलत करेगा तो कानून बिना जाति मजहब की परवाह किए कठोरता से कार्रवाई करेगा। कानूनी कार्यवाही में राजनीतिक हस्तक्षेप बंद हुआ और इसके सफल परिणाम उत्तर प्रदेश की जनता ने महसूस किये। पिछले 6 वर्षों में उत्तर प्रदेश में किसी भी जिले में कर्फ्यू नहीं लगाना पड़ा। जहां किसी ने भी दंगा करने की चेष्टा की, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया, वहां ना केवल बुलडोजर चलाकर ऐसे दंगाइयों के हौसलों को ध्वस्त किया बल्कि नुकसान की वसूली कराकर एक नज़ीर स्थापित कर दी। इसी कारण से 2022 के विधानसभा चुनाव में कानून व्यवस्था का विषय उत्तर प्रदेश में सकारात्मक मुद्दे के तौर पर उभर कर सामने आया और यह योगी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि बना।

लेकिन यह बात विपक्षी दलों को रास नहीं आ रही। इसीलिए विपक्षी दल हर संभव प्रयास कर रहे हैं कि उत्तर प्रदेश की इस शांत फिजा में कैसे मजहबी रंग घोला जाये। सपा, बसपा और कांग्रेस ने अपने कई महारथियों को बाकायदा इस मिशन पर लगा रखा है जो लगातार अपनी बदजुबानी से सांप्रदायिक सद्भाव बिगड़ने का भरपूर प्रयास करते हैं। कभी हिंदू देवी देवताओं, साधु संतों, ग्रंथों और पुराणों पर आपत्तिजनक टिप्पणी करते हैं तो कभी मुसलमानों को भी बरगलाने व भड़काने वाले बयान देते हैं। लेकिन विपक्ष के सभी प्रयास विफल हुए हैं, अफवाह तंत्र टूटा है। लेकिन विपक्ष है कि बाज ही नहीं आता।

मौजूदा मुजफ्फरनगर के घटनाक्रम में भी ऐसे ही अफवाह तंत्र का सहारा लिया जा रहा है। मुजफ्फरनगर के एक निजी पब्लिक स्कूल में घटित एक सामान्य-सी घटना पर पूरा विपक्ष एकजुट होकर हमलावर हो गया। मुजफ्फरनगर संवेदनशील है, 2013 के गहरे घाव उभरते के फिर प्रयास किये जा रहे हैं। विकलांग शिक्षिका की एक गलती के आवरण में फिर षड्यंत्र बुना जा रहा है। नई शिक्षा नीति के तहत क्लासरूम में बच्चों की पिटाई पूरी तरह प्रतिबंध की गई है। इस मामले में भी यह अपराध हुआ है। पिटने वाला छात्र है और पीटने वाले भी छात्र हैं। शिक्षिका के निर्देश पर छात्रों द्वारा छात्र की पिटाई को कोई भी वाजिब नहीं ठहरा सकता। यह कृत्य निंदनीय है और दंडनीय भी। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम के कई तथ्यों को जानबूझकर छिपाने का प्रयास किया गया। मसलन वायरल वीडियो पिटने वाले छात्र के चाचा नदीम द्वारा ही बनाया जा रहा है। पीटने वाले छात्र हिंदू और मुसलमान दोनों ही हैं। होमवर्क पूरा ना करने और पढ़ाई में लापरवाही करने पर बच्चे को टाइट करने का आग्रह पिटने वाले बच्चे के परिजनों के द्वारा ही किया गया था। बावजूद इसके बच्चों की पिटाई को किसी भी स्थिति में न्यायोचित नहीं माना जा सकता, यह बात अलग है कि पढ़ाने वाले शिक्षकों ने अपनी पढ़ाई के दौरान अपने शिक्षकों से पिटाई झेली है।

एनर्जी आयात करने के बजाय निर्यात करेगा भारत, मुकेश अंबानी ने बताया पूरा प्लान

परिवहन विशेष न्यूज

रिलायंस इंडस्ट्रीज (Reliance Industries) की 46वीं वार्षिक आम बैठक (AGM) आज हो रही है। इस बार भी शेयर बाजार और रिलायंस के 36 लाख से ज्यादा इन्वेस्टर्स को कंपनी के एजीएम से बड़ी उम्मीदें है। इसकी वजह यह है कि कंपनी के चेयरमैन मुकेश अंबानी अक्सर एजीएम में बड़ी घोषणाएं करते रहे हैं। रिलायंस का शेयर पिछले कुछ समय से एक सीमित दायरे में ट्रेड कर रहा है। माना जा रहा है कि एजीएम में कुछ बडी घोषणाओं से इसे बूस्ट मिल सकता है।

नीता ने बोर्ड से इस्तीफा दिया

मुकेश अंबानी ने कहा कि नीता अंबानी बोर्ड से हट गई हैं लेकिन वह रिलायंस फाउंडेशन की चेयरपर्सन बनी रहेंगी। परमानेंट इनवाइटी के रूप में वह बोर्ड मीटिंग में हिस्सा लेंगी। हमें उनके अनुभव का फायदा मिलता रहेगा। नीता हमेशा से मेरी बेस्ट एडवाइजर और ताकत रही है। मैं ईशा, आकाश और अनंत का बोर्ड में स्वागत करता हूं।

रिलायंस अब एक इंस्टीट्यूशन

रिलायंस अब कंपनी नहीं रह गई है, यह एक इंडियन इंस्टीट्यूशन बन गई है। पूरी दुनिया में इसकी ताकत बढ़ रही है। हम युवा लीडरों को तैयार कर रहे हैं। पिछले कुछ सालों से ईशा, आकाश और अनंत सीनियर लोगों के साथ काम कर रहे हैं। बोर्ड ने ईशा, आकाश और अनंत को बोर्ड में शामिल करने का फैसला किया है। उन्होंने अपनी मेहतन से यह उपलब्धि हासिल की है। 1977 में मेरे पिता ने मुझे रिलायंस के बोर्ड में शामिल किया था। तब मैं केवल 20 साल का था। आज मैं अपनी बच्चों में अपनी और अपने पिता की छवि देखता हूं। मैं अगली पीढ़ी के लीडरों को भविष्य के लिए तैयार करूंगा ताकि वे कंपनी को नई ऊंचाई पर ले जा सकें।

आगे का रोडमैप

हर दशक में हमने अपने लक्ष्यों को पूरा किया। पिछले 15 साल से हम दो सपनों को पूरा करने में लगे हैं। टेलिकॉम और रिटेल में टेक्नोलॉजी से इस्तेमाल से हम भारतीय को सशक्त बना रहे हैं। अब जियो फाइनेंशियल सर्विसेज इसे आगे बढ़ाएगी। हम अपने कस्टमर को सबसे सस्ता और सबसे बेहतर सर्विस देंगे। बाजार हमारे लिए मंदिर है और ग्राहक हमारे लिए भगवान हैं। हम उनकी जरूरतों के हिसाब से प्रॉडक्ट बनाएंगे।

पांच साल में 100 प्लांट

वार्षिक आम बैठक में कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) प्लांट की जानकारी देते हुए मुकेश अंबानी ने कहा, "हमने रिकॉर्ड 10 महीने में उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में प्लांट लगाया है, हम तेजी से पूरे भारत में 25 प्लांट्स और लगाएंगे। हमारा लक्ष्य अगले 5 वर्षों में 100 से अधिक प्लांट लगाने का है। इन प्लांट्स में 55 लाख टन कृषि-अवशेष और जैविक कचरा खप जाएगा। जिससे लगभग 20 लाख टन कार्बन उत्सर्जन कम होगा और सालाना 25 लाख टन जैविक खाद का उत्पादन होगा।"

पराली से ईंधन बनाने वाला देश का सबसे बड़ा उत्पादक बना रिलायंस

सिर्फ एक साल पहले जैव ऊर्जा के क्षेत्र में उतरने वाला रिलायंस, पराली से ईंधन बनाने वाला देश का सबसे बड़ा उत्पादक बन गया है। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में कंपनी ने पहला कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) प्लांट स्थापित किया है। इसके लिए रिलायंस ने स्वदेशी तौर पर कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) तकनीक विकसित की है। इस तकनीक का विकास रिलायंस की जामनगर स्थित दुनिया की सबसे बड़ी रिफाइनरी में किया गया। इसकी जानकारी रिलायंस की 46वीं वार्षिक आम सभा में कंपनी के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने दी।

एनर्जी एक्सपोर्टर बनेगा भारत

रिलायंस के पास भारत को नेट एनर्जी इम्पोर्टर से एनर्जी एक्सपोर्टर बनाने की स्थिति में है। जामनगर में धीरूभाई अंबानी ग्रीन एनर्जी गीगा मैन्यूफैक्चरिंग कॉम्प्लेक्स पर तेजी से काम हो रहा है। हमारी प्राथमिकता फुली इंटिग्रेटेज एंड टू एंड सोलर पीवी मैन्यूफैक्चरिंग ईकोसिस्टम बनाने की है। हमारा लक्ष्य 2026 तक बैटरी गीगा फैक्टरी बनाने का है। यह बैटरी केमिकल्स सेल्स और पैक्स बनाएगी। हम गैस प्रॉडक्शन बढ़ा रहे हैं। गैस क्लीन एनर्जी का बड़ा सोर्स है। इससे देश को सालाना सात अरब डॉलर की बचत होगी।

ग्रीन एनर्जी

सोलर एंड विंड एनर्जी सबसे सस्ती बिजली देगी। टेक्नोलॉजी पार्टनर के साथ हम इसे गीगावॉट स्कैल पर दिखाने के लिए तैयार हैं। इससे हमें लार्ज स्कैल पर इसे स्थापित करने में मदद मिलेगा। हम ग्रीन केमिकल में ग्लोबल लीडर बनने की स्थिति में हैं। हम प्रदूषण की समस्या को सुलझाने के करीब हैं। हम एक साल में भी कम समय में देश के सबसे बड़े बायोगैस प्रॉड्यूसर बन गए हैं। हम इसे पूरे देश में फैलाएंगे। अगले पांच साल मे ऐसे 100 प्लांट बना जाएंगे। इससे खाद बनेगी और प्रदूषण कम होगा। इससे एलएनजी का हमारा आयात कम होगा।

ऑयल एंड गैस

मुकेश अंबानी ने कहा कि पिछले साल ऑयल एंड गैस बिजनस को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद हमने रेकॉर्ड एबिटा हासिल किया। हम 2035 तक नेट कार्बन जीरो के लक्ष्य को लेकर चल रहे हैं। इसके लिए ग्रीन एनर्जी का ज्यादा से ज्यादा विकास किया जा रहा है। हमारा टारगेट कार्बन फाइबर में दुनिया की तीन टॉप कंपनियों में आना है। हम फॉसिल फ्यूल से ग्रीन एनर्जी की तरफ जा रहे हैं। अगले कुछ साल हमारे लिए बदलाव वाले होंगे। हम एनर्जी ट्रांजिशन में दुनिया को रास्ता दिखाएंगे।

जेएफएसएल का बिजनस

हम इंश्योरेंस में भी एंट्री करेंगे और इसके लिए ग्लोबल पार्टनर्स के साथ हाथ मिलाएंगे। इसमें जनरल और हेल्थ इंश्योरेंस बिजनस में जाएंगे। हमें उम्मीद है कि टेलिकॉम और रिटेल की तरह हम इस फील्ड में भी झंडे गाड़ेंगे। हम दुनिया का सबसे बेहतरीन फाइनेंशियल सर्विसेज प्लेटफॉर्म बनाना चाहते हैं। इसके लिए के वी कामथ की अगुवाई में बेहतरीन टीम बनाई गई है।

भारत में भारी संभावनाएं: ब्लैकरॉक के सीईओ लैरी फिंक

ब्लैकरॉक के सीईओ लैरी फिंक ने कहा कि रिलायंस के साथ उनके जॉइंट वेंचर से भारत में लाखों लोगों को फायदा होगा। हम पिछले कई साल से भारत में काम कर रहे हैं। मुंबई, गुरुग्राम और बेंगलूरु में हमारे ऑफिस हैं। भारत में लोगों के इनकम बढ़ रही है और इसके साथ ही एसेट मैनेजमेंट की डिमांड भी बढ़ रही है। हम जॉइंट वेंचर के जरिए भारत में एसेट मैनेजमेंट को बदलना चाहते हैं।

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज

मुकेश अंबानी ने कहा कि जेएफएसएल को देश की वित्तीय जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। यह देश की ग्रोथ का हिस्सा बनेगा जो डिजिटल फर्स्ट की नीति पर चलेगा। यह छोटे बिजनस को मदद करेगा और उन्हें पेमेंट सॉल्यूशन देगा। जेएफएलएल ने ब्लैकरॉक के साथ एसेट मैनेजमेंट बिजनस करने का फैसला किया है। जॉइंट वेंचर टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल से इन्वेस्टमेंट सॉल्यूशन देगा।

रिलायंस रिटेल

रिलायंस रिटेल की डायरेक्टर ईशा अंबानी ने कहा कि फाइनेंशियल ईयर 2023 कंपनी के रिटेल बिजनस के लिए बेहतरीन रहा। रिलायंस रिटेल ने 100 करोड़ ट्रांजैक्शन का माइलस्टोन पार कर लिया है और 78 करोड़ से अधिक फुटफॉल हासिल किया है। कंपनी के रजिस्टर्ड कस्टमर्स की संख्या 25 करोड़ से अधिक हो गई है। हमारा बिजनस कोलाबोरेशन, कंज्यूमर एंगेजमेंट, क्रिएटिविटी और केयर के सिद्धांत पर आधारित है।

जियो एआई

मुकेश अंबानी ने कहा कि ग्लोबल रिवॉल्यूशन दुनिया को नए सिरे से परिभाषित कर रही है। जियो प्लेटफॉर्म्स इंडिया-स्पेसिफिक एआई मॉडल्स विकसित करना चाहती है। इससे भारत को फायदा होगा। हम देश के हर आदमी तक एआई को पहुंचाना चाहते हैं। हमने टेलिकॉम में यह कर दिखाया है और हमें उम्मीद है कि एआई में भी हम कामयाब होंगे। भारत में टेलेंट की कमी नहीं है। लेकिन हमें एआई रेडी इन्फ्रास्ट्रक्चर चाहिए जो एआई की डिमांड को पूरा कर सके। हम 2000 मेगावॉट एआई रेडी कंप्यूटिंग कैपेसिटी चाहते हैं।

यूपीआई को सपोर्ट करेगा जियो भारत

जियो भारत छोटे बिजनस को सपोर्ट करेगा। इसके यूपीआई इंटिग्रेशन से सरकारी सपोर्ट मिलने में मदद मिलेगी। यह मौजूदा कीमत से 30 फीसदी सस्ता होगा। रिलायंस जियो ने एक बार फिर देश को 2जी से मुक्त करने का वादा किया है। रिलायंस जियो के चेयरमैन आकाश अंबानी ने कहा कि जियो भारत ऐसे लोगों को डिजिटल इंडिपेंडेंस देगा जो स्मार्टफोन को अफोर्ड नहीं कर सकते हैं।

'जियो एयर फाइबर' गणेश चतुर्थी को लॉन्च होगा - मुकेश अंबानी

जियो के एयर फाइबर का इंतजार खत्म हुआ, गणेश चतुर्थी के दिन यानी 19 सितंबर को इसे लॉन्च किया जाएगा। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कंपनी की सालाना आम सभा में इसकी घोषणा की। जियो एयर फाइबर, 5G नेटवर्क और बेहतरीन वायरलेस टेक्नोलॉजी का उपयोग कर, घरों और दफ्तरों में वायलेस ब्राडबैंड सर्विस देगा। दूरसंचार के क्षेत्र में जियो एयर फाइबर के उतरने से उथल पुथल की संभावना है।

जियो एयरफाइबर का लॉन्च

जियो एयरफाइबर को गणेश चतुर्थी के दिन 19 सितंबर को लॉन्च किया जाएगा।

रिलायंस के शेयरों में गिरावट

रिलायंस का शेयर 2480 से गिर कर 2468 रुपये पर आ गया है।

नीता अंबानी बोर्ड से हटेंगी

रिलायंस के बोर्ड ने ईशा अंबानी, आकाश अंबानी और अनंत अंबानी को बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में शामिल करने की सिफारिश की है। नीता अंबानी बोर्ड का हिस्सा नहीं रहेंगी लेकिन रिलायंस फाउंडेशन की चेयरपर्सन बनी रहेंगी।

दस साल में 150 अरब डॉलर का निवेश

मुकेश अंबानी ने कहा कि पिछले दस साल में रिलायंस ने 150 अरब डॉलर का निवेश किया है जो देश में किसी भी कॉरपोरेट से ज्यादा है। जियो के सब्सक्राइबर्स की संख्या 45 करोड़ से ऊपर पहुंच गई है।

2047 तक विकसित देश बनाना है

सबको मिलकर काम करने भारत को साल 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने की दिशा में काम करना है। कोई भी इसमें पीछे नहीं छूटना चाहिए।

भारत उम्मीद की किरण

दुनियाभर में चुनौतियों का माहौल है। ऐसे में भारत उम्मीद की किरण बनकर उभरा है। भारत बेहतर स्थिति में है। यह नया भारत आत्मविश्वास से भारत है।

चंद्रयान की सफलता पर बधाई

ये भारत न रुकता न थकता और न हारता है। चंद्रयान-3 की सफलता पर रिलायंस परिवार की ओर से बधाई।

रिलायंस की एजीएम शुरू

रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कंपनी की 46वीं एजीएम को संबोधित करना शुरू किया।

हर 2.5 साल में दोगुनी की वेल्थ

2017 में कंपनी की 40वीं एजीएम में अंबानी ने कहा था कि 1977 में 1,000 रुपये का निवेश 16,54,503 रुपये होता। इस तरह कंपनी ने 40 साल में 1600 गुना से अधिक रिटर्न दिया है। आंकड़ों के मुताबिक कंपनी ने हर 2.5 साल में निवेशकों की वेल्थ को दोगुना किया।

1977 में 1,000 रुपये लगाए होते

रिलायंस का आईपीओ 1977 में आया था। साल 2012 में रिलायंस की एजीएम में मुकेश अंबानी ने कहा था कि अगर किसी ने 35 साल पहले रिलायंस के आईपीओ पर 1,000 रुपये लगाए होते तो उसकी वैल्यू 7.78 लाख रुपये होती। रिलायंस ने 2011-12 के लिए 2,941 करोड़ रुपये का डिविडेंड दिया था और देश के इतिहास में सबसे बड़े शेयर बायबैक की घोषणा की थी।

अब क्या बदला

धीरूभाई अंबानी के दौर में रिलायंस की एजीएम रॉक कन्सर्ट की तरह स्टेडियम में होती थी। मुकेश अंबानी के दौर में भी रिलायंस की एजीएम की चमक जस के तस बरकरार है। लेकिन टेक्नोलॉजी के साथ इसमें कई बदलाव हो गए हैं। जियो 5G और जियो फाइबर जैसे प्रॉडक्ट्स इन्हीं एजीएम में लॉन्च किए गए हैं। अब एजीएम को शेयरधारकों के साथ ही नहीं बल्कि पब्लिक के लिए भी ऑनलाइन और टीवी पर ब्रॉडकास्ट किया जाता है। शायद यही चीज रिलायंस की एजीएम को औरों से अलग करती है।

स्टेडियम में एजीएम

मई 1985 में उन्होंने मुंबई के कूपरेज फुटबॉल ग्राउंड्स को किराए पर लिया गया था। इसमें रिलायंस की एजीएम आयोजित की गई और 1984 के नतीजे पेश किए गए। इसमें करीब 12,000 शेयरहोल्डर्स ने भाग लिया था। कई तो ग्राउंड पर बैठे हुए थे। यह देश में किसी कंपनी के शेयरहोल्डर्स की सबसे बड़ी मीटिंग थी। इसमें अंबानी ने बताया कि कंपनी के मुनाफे में 58.6 प्रतिशत की बढ़त हुई है। साथ 672 करोड़ से अधिक के कंपनी के नए प्रोजेक्ट्स के बारे में बताया। इसी मीटिंग में रिलायंस ने अपने नाम के आगे से टेक्सटाइल नाम हटाने को लेकर भी मंजूरी ली गई।

धीरूभाई का विजन

एक रिटायर्ड ब्रोकरेज ने दो साल पहले ईटी से कहा था, 'एस्सार ग्रुप के प्रमोटर शशि रुइया जैसे कई लोग धीरूभाई का एक्शन देखने के लिए कूपरेज जाते थे। वे देखते थे की धीरूभाई निवेशकों से कैसे बात करते हैं। धीरूभाई अपनी बात पर खरा उतरते थे। उन्होंने जो कंपनी बनाई, उसमें निवेशकों ने कभी भी पैसा नहीं गंवाया।' उनकी कोशिश अपने विजन के जरिए छोटे निवेशकों के मन में विश्वास पैदा करना था। सज्जन जिंदल भी रिलायंस की एजीएम को देखने जाते थे ताकि उनसे बिजनस की बारीकियां सीख सकें। अगर कोई धीरूभाई से कोई शिकायत करता तो वह धैर्य से साथ सुनते और जवाब देते थे।

रॉकस्टार धीरूभाई अंबानी

इसके बाद रिलायंस ने हर साल एजीएम का आयोजन करना शुरू किया। इसमें कंपनी के आम निवेशकों को बुलाया जाता था। धीरे-धीरे धीरूभाई अंबानी निवेशकों के बीच आईकॉन बन गए। वह रॉकस्टार की तरह निवेशकों के सामने आते थे। ऐसा रॉकस्टार जो गीत नहीं गाता था बल्कि डिविडेंड की घोषणा करता था। वह कंपनी की भविष्य की योजनाएं निवेशकों के सामने एजीएम में रखते थे। 1980 के दशक में वह मुंबई के कूपरेज ग्राउंड में एजीएम का आयोजन करते थे। कई बैंकर और ब्रोकरेज को अब भी वे दिन याद हैं।

कैसे अलग है रिलायंस की एजीएम

अमूमन कंपनियों की एजीएम में इस तरह की भावुक अपील के लिए जगह नहीं होती है। लेकिन रिलायंस की बात ही कुछ और है। यह एजीएम से ज्यादा रॉक कन्सर्ट या बड़े शादी समारोह की तरह होती है। इसका श्रेय रिलायंस के फाउंडर धीरूभाई अंबानी को जाता है। उन्होंने शुरू में ही इस बात को भांप लिया था कि मार्केट में लंबे समय टिकना है तो शेयरधारकों का विश्वास जितना जरूरी है। उन्होंने कभी भी शेयरहोल्डर्स को निराश नहीं किया। 1977 में रिलायंस टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज सात गुना सब्सक्राइब हुआ था।

मैनेजमेंट और शेयरहोल्डर्स का रिश्ता

मुकेश अंबानी ने तब कहा था, 'ऐसा लग रहा है जैसे वह यहां बैठे हैं, मुस्करा रहे हैं, मुझसे और आप सबसे बातें कर रहे हैं। वह कह रहे हैं कि अब तुम मेरी जगह हो। रिलायंस को आगे ले जाने और सभी शेयरहोल्डर्स, पार्टनर्स और कर्मचारियों को आगे ले जाने की जिम्मेदारी तुम्हारी है। मुझे पूरी उम्मीद है कि तुम रिलायंस को और ऊंचाई पर ले जाओगे।' इस पर वहां मौजूद शेयरहोल्डर्स ने We love jio के नारे लगाए। यह रिलायंस के मैनेजमेंट और शेयरहोल्डर्स के बीच की आत्मीयता को दिखाता है।

भावुक हो गए थे मुकेश अंबानी

साल 2017 में रिलायंस की 40वीं एजीएम को संबोधित करते हुए कंपनी के चेयरमैन मुकेश अंबानी अपने पिता धीरूभाई अंबानी को याद करते हुए भावुक हो गए थे। उनकी मां कोकिलाबेन अंबानी भी अपने आंसुओं को नहीं रोक पाई थीं। धीरूभाई कहा करते थे कि अगर एक फोन कॉल एक पोस्टकार्ड से सस्ता हो जाए तो आप करोड़ों भारतीयों के जीवन में क्रांति ला सकते हैं। रिलायंस जियो ने न केवल फोन कॉल को फ्री कर दिया बल्कि हैंडसेट को भी काफी सस्ता बना दिया।

धीरूभाई अंबानी ने शुरू की थी एजीएम

देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज (Reliance Industries) की एजीएम आज हो रही है। वैसे तो देश में हजारों कंपनियां हैं लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा रिलायंस की एजीएम की रहती है। इसकी वजह यह है कि कंपनी के निवेशकों की संख्या 36 लाख से भी ज्यादा है। इस कारण पूरे देश में इसकी सबसे ज्यादा चर्चा रहती है। अमूमन इसमें कंपनी बड़ी-बड़ी घोषणाएं करती है, इसलिए इन्वेस्टर्स के साथ-साथ बाजार को भी इसका बेसब्री से इंतजार रहता है। कंपनी की एजीएम की शुरुआत रिलायंस के फाउंडर धीरूभाई अंबानी ने की थी। देश में इक्विटी कल्चर को लोकप्रिय बनाने का श्रेय धीरूभाई अंबानी को ही जाता है।

CLSA ने बढ़ाया रिलायंस का टारगेट प्राइस

ब्रोकरेज फर्म CLSA रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों की 'buy' रेटिंग बरकरार रखी है। साथ ही उसने इसका टारगेट प्राइस बढ़ाकर 3,060 रुपये कर दिया है। यह इसकी मौजूदा कीमत से 23 परसेंट अधिक है।

बाजार तेजी के साथ खुला

रिलायंस की एजीएम से पहले आज बाजार तेजी के साथ खुला। शुरुआती ट्रेड में बीएसई सेंसेक्स 177.63 अंक के साथ 65,064.14 अंक पर ट्रेड कर रहा था जबकि निफ्टी 62.2 अंक की तेजी के साथ 19,328 अंक पर था। जोमैटो के शेयरों में पांच फीसदी से अधिक तेजी आई है।

तेजी के साथ खुला जियो फाइनेंशियल का शेयर

रिलायंस की एजीएम से पहले आज जियो फाइनेंशियल सर्विसेज का शेयर तेजी के साथ खुला। पिछले शुक्रवार को यह 212.25 रुपये पर बंद हुआ था जबकि आज 0.64 परसेंट की तेजी के साथ 213.60 रुपये पर खुला। यह 21 अगस्त को लिस्ट हुआ था और पूरे हफ्ते इसमें गिरावट रही थी। रिलायंस का शेयर भी मामूली तेजी के साथ खुला।

कितना गिरा जियो फाइनेंशियल का शेयर

रिलायंस के शेयरहोल्डर्स की संख्या 36 लाख से ज्यादा है। कंपनी ने हाल में अपने फाइनेंशियल बिजनस को अलग किया था। रिलायंस के शेयहोल्डर्स के प्रत्येक शेयर पर नई कंपनी का एक शेयर दिया गया था। लेकिन शेयर मार्केट में इसकी शुरुआत फीकी रही। पहले चार दिन यह पांच फीसदी के लोअर सर्किट में फंसा जबकि शुक्रवार को इसमें 1.69 परसेंट की गिरावट रही।

जियो की लिस्टिंग के बाद पहली एजीएम

स्टॉक मार्केट में जियो फाइनेंशियल सर्विसेज की लिस्टिंग होने के बाद यह रिलायंस की पहली एजीएम है। कंपनी की लिस्टिंग 21 अगस्त को हुई थी लेकिन इसमें लगातार गिरावट आई है। माना जा रहा है कि एजीएम में कंपनी के चेयरमैन मुकेश अंबानी (Mukesh Ambani) जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के बिजनस प्लान के बारे में बड़ी घोषणा कर सकता है। साथ ही वह टेलिकॉम और रिटेल बिजनस के आईपीओ के बारे में भी अपडेट दे सकते हैं। इसके अलावा कंपनी की उत्तराधिकार योजना पर भी बात हो सकती है।

रिलायंस रिटेल का विस्तार

रिलायंस रिटेल ने अलग-अलग कंज्यूमर सेगमेंट्स में अपनी विस्तार किया है। कंपनी ने अपने एफएमसीजी ब्रांड 'Independence' को नॉर्थ इंडिया में भी शुरू किया है। आने वाले दिनों में आरआरवीएल ई-कॉमर्स में अपनी उपस्थिति मजबूत कर सकती है, सप्लाई चेन को मजबूती हो सकती है और उसका फोकस एक्विजिशंस पर रह सकता है। इस बारे में कंपनी की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर ईशा अंबानी कई अहम घोषणाएं कर सकती हैं।

न्यू एनर्जी

रिलायंस ने 2035 तक कार्बन जीरो बनने के लिए अगले तीन साल में न्यू एनर्जी बिजनस में 10 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा की है। इस बारे में अंबानी अपडेट दे सकते हैं। साथ ही वह इससे जुड़े प्रोजेक्ट्स के शुरू होने की डेट और संभावित कमाई के बारे में भी घोषणा कर सकते हैं। विदेशी ब्रोकिंग फर्म Bernstein के मुताबिक रिलायंस अपने न्यू एनर्जी बिजनस से 2030 तक 10 से 15 अरब डॉलर की कमाई कर सकती है। भविष्य में यह कंपनी के लिए ग्रोथ का इंजन बन सकता है।

5जी, जियो एयरफाइबर

रिलायंस ने अपनी सालाना रिपोर्ट में दिसंबर, 2023 तक पूरे देश में 5जी रोलआउट का लक्ष्य रखा है। इस बारे में अंबानी कई अपडेट दे सकते हैं। साथ ही 5जी प्रीपेड प्लान्स के बारे में भी कई घोषणाएं कर सकते हैं। साथ ही बाजार को इस बात का भी इंतजार है कि जियोभारत 4जी फोन की तरह कंपनी की जियो 5जी स्मार्टफोन लाने की भी योजना है या नहीं। पिछली एजीएम में कंपनी ने जियोएयरफाइबर लाने की घोषणा की थी। यह वायर के बिना 5जी स्पीड देगा। अंबानी एजीएम में इसके लॉन्च डेट की घोषणा कर सकते हैं।

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज की पिछले हफ्ते लिस्टिंग हो चुकी है। एजीएम में मुकेश अंबानी इसके आगे के रोडमैप के बारे में खुलासा कर सकते हैं। कंपनी ने दुनिया की सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी ब्लैकरॉक के साथ मिलकर म्यूचुअल फंड कंपनी शुरू करने की घोषणा की है। इसमें शुरुआती इन्वेस्टमेंट 30 करोड़ डॉलर का होगा। जानकारों का कहना है कि कंपनी कंज्यूमर और मर्चेंट लेंडिंग में भी जा सकती है। कुछ इन्वेस्टर्स की मानें तो कंपनी इंश्योरेंस में भी बड़ा दांव खेल सकती है। कंपनी पहले से ही इंश्योरेंस ब्रोकिंग बिजनस में है और उसके पास 17 से ज्यादा इंश्योरेंस पार्टनर्स हैं।

आईपीओ

इनवेस्टर्स को रिलायंस के टेलिकॉम और रिटेल बिजनस के आईपीओ का बेसब्री से इंतजार है। पिछली एजीएम में मुकेश अंबानी ने कहा था कि वह जियो और रिटेल के आईपीओ के बारे में अगली एजीएम में अपडेट देंगे। जियो प्लेटफॉर्म्स में गूगल, जनरल अटलांटिक, अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी और मेटा प्लेटफॉर्म्स ने निवेश किया है। इसी तरह रिलायंस रिटेल वेंचर्स में कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी, केकेआर, सिल्वर लेक पार्टनर्स और सऊदी अरब तथा सिंगापुर के सॉवरेन वेल्थ फंड्स ने निवेश किया है।

स्टेडियम में होती थी मीटिंग

धीरूभाई अंबानी के दौर में रिलायंस की एजीएम रॉक कन्सर्ट की तरह स्टेडियम में होती थी। मुकेश अंबानी के दौर में भी रिलायंस की एजीएम की चमक जस के तस बरकरार है। लेकिन टेक्नोलॉजी के साथ इसमें कई बदलाव हो गए हैं। जियो 5G और जियो फाइबर जैसे प्रॉडक्ट्स इन्हीं एजीएम में लॉन्च किए गए हैं। अब एजीएम को शेयरधारकों के साथ ही नहीं बल्कि पब्लिक के लिए भी ऑनलाइन और टीवी पर ब्रॉडकास्ट किया जाता है। शायद यही चीज रिलायंस की एजीएम को औरों से अलग करती है।

नीरज चोपड़ा ने रचा इतिहास : भारत को दिलाया वर्ल्ड चैंपियनशिप में पहला गोल्ड

नीरज चोपड़ा ने वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गोल्ड जीतते हुए इतिहास रच दिया। उन्होंने 88.17 मीटर का थ्रो करते हुए उन्होंने भारत को विश्व चैंपियनशिप इतिहास का पहला गोल्ड दिलाया। इससे पहले उन्होंने सिल्वर मेडल और अंजू बॉबी जॉर्ज ने ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

नई दिल्ली। ओलिंपिक गोल्ड, डायमंड लीग में गोल्ड और अब वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2023 में गोल्ड.. स्टार जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने भारत को खेलों में भी चांद पर पहुंचा दिया है। भारत की आन बान और शान कहे जाने वाला यह एथलीट जब क्वॉलिफाइंग में टॉप पर रहा तो हर किसी को उम्मीद थी कि पिछली बार की कसर इस बार पूरी होगी। हुआ भी यही। नीरज ने 88.17 मीटर का थ्रो करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया।

एथलेटिक्स वर्ल्ड चैंपियनशिप इतिहास में गोल्ड जीतने वाले पहले भारतीय

इसके साथ ही उन्होंने इतिहास रच दिया। वह एथलेटिक्स वर्ल्ड चैंपियनशिप इतिहास में गोल्ड जीतने वाले पहले भारतीय हैं, जबकि यह तीसरा मेडल है। इससे पहले उन्होंने सिल्वर जीता था, जबकि लॉन्ग जंपर अंजू बॉबी जॉर्ज ने ब्रॉन्ज मेडल जीता था। इवेंट का सिल्वर मेडल पाकिस्तान के नदीम और ब्रॉन्ज मेडल चेक रिपब्लिक के याकूब के नाम रहा।

नीरज चोपड़ा का पहला थ्रो रहा फाउल, दूसरे राउंड में ही लगा दिया गोल्डन थ्रो

तोक्यो ओलिंपिक में गोल्ड मेडल जीतकर भारत की छाती चौड़ी करने वाले नीरज ने शुरुआत हालांकि उम्मीद के मुताबिक नहीं की। उनका पहला थ्रो फाउल रहा, जबकि जर्मनी के जूलियन वेबर 85.79 मीटर थ्रो के साथ टॉप पर थे। नीरज ने जब दूसरा अटेम्प्ट लिया तो हर कोई देखते रह गया। भारतीय स्टार ने भाला फेंकने के बाद उसकी ओर देखा ही नहीं। मानो उन्हें पूरा भरोसा था कि यह थ्रो बेस्ट है। इस बार उन्होंने 88.17 मीटर का थ्रो किया था, जिसने उन्हें गोल्ड जितवाया।

पाकिस्तानी अरशद नदीम रहे दूसरे नंबर पर

दूसरी ओर, पाकिस्तानी थ्रोअर अरशद नदीम 87.82 मीटर (सीजन बेस्ट) के साथ दूसरे नंबर पर रहे। उन्होंने यह तीसरे अटेम्प्ट में आंकड़ा छुआ था। इसके साथ ही जूलियन नीचे खिसक गए क्योंकि 5वें राउंड में चेक रिपब्लिक के याकूब वेदलेच ने 86.67 मीटर का थ्रो किया था और वह तीसरे नंबर पर पहुंच गए थे। अरशद ने आगे निकलने की पूरी कोशिश की, लेकिन वह चौथे राउंड में 87.15 मीटर और छठे राउंड में 81.86 मीटर का ही थ्रो कर सके। उनका 5वां अटेम्प्ट फाउल रहा।

दूसरी ओर, भारत के अन्य दो एथलीट किशोर जेना ने 84.77 मीटर का बेस्ट थ्रो किया। वह 5वें और डीपी मनु 84.14 मीटर के साथ छठे नंबर पर रहे। यह पहला मौका था जब जैवलिन थ्रो के फाइनल के लिए भारत के 3 एथलीटों ने क्वॉलिफाइ किया था।

देश की बड़ी हस्तियों ने दी बधाईयां

नीरज की ऐतिहासिक जीत से जहां उनके गांव खंडरा में खुशी का माहौल है वहीं, देश भर से लोग नीरज को बधाई और शुभकामनाएं दे रहे हैं। भारतीय सेना, कांग्रेस, केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा अब विश्व चैंपियन भी बन गए। भारत के स्टार एथलीट नीरज चोपड़ा ने रविवार को विश्व चैंपियनशिप में अपने दूसरे प्रयास में 88.17 मीटर का थ्रो फेंककर स्वर्ण पदक जीता। इस जीत के साथ ही विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जेवलिन थ्रो में स्वर्ण जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट बन गए हैं। हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट के नेशनल एथलेटिक्स सेंटर में भारत के स्टार खिलाड़ी नीरज ने 88.17 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक पर निशाना साधा। नीरज की ऐतिहासिक जीत से जहां उनके गांव खंडरा में खुशी का माहौल है वहीं, देश भर से लोग नीरज को बधाई और शुभकामनाएं दे रहे हैं। भारतीय सेना, कांग्रेस, केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

मन्सापूर्ण बालाजी का तीसरा पाटोत्सव सम्पन्न

अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा। तिलक नगर भीलवाड़ा में स्थित मन्सापूर्ण बालाजी का तीसरा पाटोत्सव बड़े धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आगाज मंत्रोच्चार के साथ प्रारंभ किया गया। इसमें सेक्टर नं. 3 के सभी निवासियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम में सुन्दरकाण्ड का पाठ किया गया एवं रात्रि में एक विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया। जिसमें पधारे सभी भजन गायकों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दी। भजन सरिता रात्री देर तक चली। भोर में आरती के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ एवं सभी भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम में शैलेन्द्र सिंह, बलवीर सिंह, हीरालाल सुथार, राजेश ओझा, पप्पु सुथार, मन्नालाल धाकड़, राजेश धाकड़, करण कुमार जाट एवं बद्रीलाल प्रजापत सहित सेक्टर नं. 3 विकास समिति के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे।पुजारी प्रदीप पाराशर ने बालाजी की आरती उतारी एवं कार्यक्रम का समापन हुआ।

रोजगार मेले को लेकर कांग्रेस ने चला 'ईएमआई' वाला दांव! जानें इससे कितनी सधेगी सियासत

नई दिल्ली। कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी और पीएम नरेंद्र मोदी को दो करोड़ दी जाने वाली नौकरियों पर घेरा। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वादा तो दो करोड़ नौकरियों का किया था, लेकिन युवाओं को वह ईएमआई के रूप में कुछ हजार भर्ती पत्र बांट रहे हैं। जैसे-जैसे लोकसभा के चुनाव नजदीक आते जा रहे हैं कांग्रेस भी सियासत के मैदान में नए-नए राजनीतिक दांव से अपनी जमीन मजबूत करने की कोशिश करती जा रही है। पार्टी की कोशिश यही है कि आने वाले चुनाव में जिन राज्यों में उनकी सरकार नहीं है वहां पर आज के जनाधार के आधार पर उनकी पार्टी की हैसियत का आंकलन न किया जाए। इसके लिए पार्टी के नेता लगातार बैठकें भी कर रहे हैं। सोमवार को ऐसे ही काम करने के लिए पार्टी ने बैठक कर रणनीति बनाई। इसी कड़ी में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री पर नौकरियों को ईएमआई जैसे देने का आरोप लगाया। फिलहाल अब पार्टी देश के अलग-अलग हिस्सों में कांग्रेस शासित राज्यों में दी जाने वाली नौकरियों का पूरा हिसाब किताब जनता के सामने रखने का प्लान बना चुकी है।

कांग्रेस ने अपनी इसी रणनीति के तहत भारतीय जनता पार्टी और पीएम नरेंद्र मोदी को दो करोड़ दी जाने वाली नौकरियों पर घेरा। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वादा तो दो करोड़ नौकरियों का किया था, लेकिन युवाओं को वह ईएमआई के रूप में कुछ हजार भर्ती पत्र बांट रहे हैं। खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री की ओर से दी जाने वाली यह नौकरियां 'एम्प्टी मैनिपुलेटिव इंस्टॉलमेंट' यानी ईएमआई ही हैं।

पीएम नरेन्द्र मोदी ने की पुतिन से बात, G20 के लिए रूसी राष्ट्रपति की जगह लावरोव भारत आएंगे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बात की। बातचीत टेलीफोन के जरिए हुई। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय सहयोग के कई मुद्दों पर बात की और इनकी प्रगति की समीक्षा भी की। प्रधानमंत्री कार्यालय के मुताबिक, दोनों ने जोहान्सबर्ग में हाल ही में संपन्न ब्रिक्स शिखर सम्मेलन सहित आपसी चिंता के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा की। राष्ट्रपति पुतिन ने 9-10 सितंबर 2023 को नई दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने में असमर्थता जताई। उन्होंने कहा कि रूस का प्रतिनिधित्व रूसी संघ के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव करेंगे।

पुतिन ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग के लिए एक बार फिर पीएम नरेंद्र मोदी को हार्दिक बधाई दी। क्रेमलिन ने कहा कि उन्होंने अंतरिक्ष अन्वेषण में द्विपक्षीय सहयोग को और विकसित करने की इच्छा जताई। दोनों देश इसे लेकर काफी सकारात्मक रुख के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

भारत दौरे को लेकर रूसी राजदूत ने भी दिए थे संकेत

इससे पहले जब भारत में रूसी राजदूत डेनिस अलीपोव से पूछा गया था कि क्या रूसी राष्ट्रपति दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे? तो उन्होंने कहा था कि राष्ट्रपति के कार्यक्रम के संबंध में कोई घोषणा या बयान देना मेरा विशेषाधिकार नहीं है। मैं जी20 शिखर सम्मेलन में उनकी भागीदारी के संबंध में राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा आधिकारिक घोषणा की प्रतीक्षा करने का सुझाव दूंगा।

क्रेमलिन के प्रवक्ता पहले ही कर चुके थे पुष्टि

हाल ही में क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव भी इस बात की पुष्टि कर चुके हैं कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन भारत में सितंबर में होने वाले जी20 सम्मेलन के लिए यात्रा की योजना नहीं बना रहे हैं। उनका व्यस्त कार्यक्रम है। अभी उनका मुख्य फोकस यूक्रेन में एक 'विशेष सैन्य अभियान' पर है। बता दें कि रूस और यूक्रेन के बीच 24 फरवरी 2022 से भीषण युद्ध जारी है।

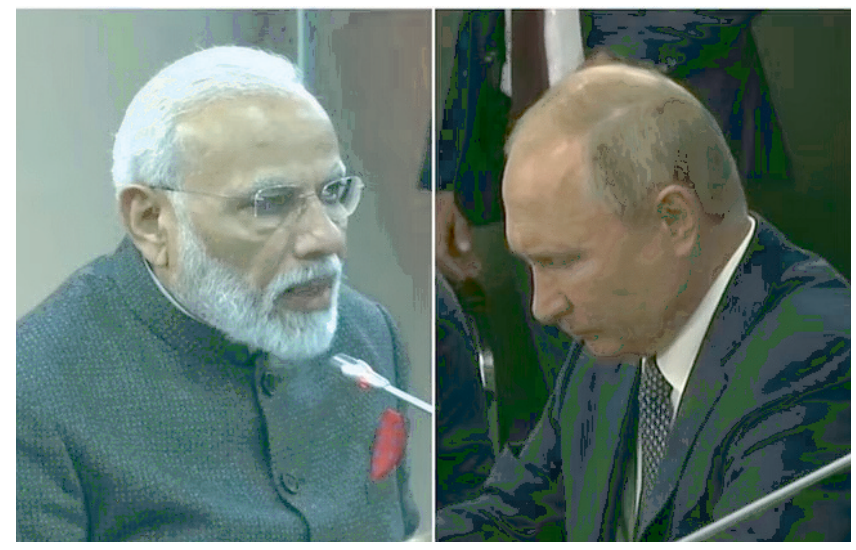

कृष्ण जन्मभूमि के पास अवैध निर्माण हटाने से जुड़ी याचिका का निपटारा, कोर्ट ने दी 'सुप्रीम' सलाह

न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा, इस याचिका में राहत के लिए जो दावा किया गया है, हमारी राय है कि एक मुकदमे के तहत इसकी बेहतर जांच की जा सकती है। चूंकि कार्यवाही सिविल अदालत में लंबित है इसलिए हम इस रिट याचिका का निपटान करते हैं और याचिकाकर्ता को सिविल अदालत के समक्ष राहत के लिए आवेदन करने की स्वतंत्रता दी जाती है।

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में कृष्ण जन्मभूमि के पास कथित रूप से बने अवैध निर्माण को हटाने के लिए इसे ध्वस्त करने के अभियान से संबंधित एक याचिका का निपटारा कर दिया और याचिकाकर्ता को सिविल कोर्ट के समक्ष राहत मांगने की स्वतंत्रता दी। यह देखते हुए कि भूमि के कब्जेदारों या निवासियों द्वारा दायर मुकदमे क्षेत्राधिकार वाली सिविल अदालत में लंबित हैं, शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता से वहां राहत के लिए आवेदन करने को कहा। न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा, इस याचिका में राहत के लिए जो दावा किया गया है, हमारी राय है कि एक मुकदमे के तहत इसकी बेहतर जांच की जा सकती है। चूंकि कार्यवाही सिविल अदालत में लंबित है इसलिए हम इस रिट याचिका का निपटान करते हैं और याचिकाकर्ता को सिविल अदालत के समक्ष राहत के लिए आवेदन करने की स्वतंत्रता दी जाती है।

भाजपा स्पष्ट बहुमत से प्रदेश में सरकार बनाएगी: मेवाडा

अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा। भाजपा प्रकोष्ठ जिलासंयोजक ,सहसंयोजकों की बैठक भाजपा जिला कार्यालय पर प्रकोष्ठ जिला संयोजक व सहसंयोजक की बैठक जिला अध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा की अध्यक्षता व मांडलगढ़ विधायक गोपाल खंडेलवाल, जिला उपाध्यक्ष प्रहलाद त्रिपाठी, जिला कोषाध्यक्ष ललित अग्रवाल के आतिथ्य में भारत माता को माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर प्रारंभ हुई !

बैठक का संचालन जिला महामंत्री बाबूलाल टाक ने किया मेवाडा ने उद्बोधित करते हुए कहां प्रकोष्ठ का पार्टी में विशेष महत्व है ! मैं ने भी प्रकोष्ठ में रहते हुए प्रदेश स्तर तक कार्य किया उसी की देन है आज पार्टी ने मुझे जिला संगठन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी का दायित्व दिया है !अभी पार्टी का मेरा परिवार भाजपा परिवार के अंतर्गत सदस्यता अभियान चल रहा है आप ज्यादा से ज्यादा आम नागरिक को पार्टी के सदस्य बनाएं !

मेवाडा ने बताया आगामी कार्यक्रम परिवर्तन यात्रा में प्रकोष्ठों को महत्वपूर्ण भागीदारी निभानी हैं !तथा कांग्रेस सरकार की कुशासन भ्रष्टाचार जंगल राज किसान व महिला विरोधी सरकार से जनता तंग आ चुकी है ! आने वाले 2023 में जनता भाजपा को स्पष्ट बहुमत प्रदान करेगी ! क्योंकि देश में मोदी सरकार की उपलब्धियां किसी से छुपी नहीं है ! आपको तो सिर्फ जनता के बीच जाना है अपनी बात को रखना है ! बैठक में सदस्यता अभियान के जिला सहसंयोजक रितु शेखर ने सभी को प्रारूप वितरित किए ! भाजपा जिला मीडिया प्रभारी महावीर समदानी ने बताया कि बैठक में विभिन्न भाजपा प्रकोष्ठों के गोविंद नारायण राठी, नरपत सिंह चुंडावत ,रामस्वरूप वैष्णव ,हेमेंद्र सिंह राणावत, अंबालाल कुमावत, पंकज मानसिहका ,दुर्गा लाल बारेठ, राम सिंह शक्तावत, मुकेश चेचानी ,राजेंद्र बोहरा,गजेंद्र सिंह चाहर, ओमप्रकाश काबरा, राजकुमार ईनाणी, कल्याणमल गुर्जर,विजय हिंगोरानी, दिनेश कोगटा, मनोज शर्मा ,आलोक पलोड, रेखा देवी अजमेरा , लादू लाल गुर्जर, अमर सिंह राठौड़, देवेंद्र गोयल के साथ ही गोपाल तेली, दिनेश सुथार, धर्मवीर सिंह कानावत, मनोज बुलानी, पीयूष सोनी आदि भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे !

श्री बाबाधाम पर सहस्त्रधारा दुग्धाभिषेक व राखी महोत्सव पर उमड़ा जन सैलाब

अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा। श्री बाबाधाम के अध्यक्ष विनीत अग्रवाल के सानिध्य में श्री बाबा धाम पर सोमवार प्रदोष के अति शुभ अवसर पर सहस्त्रधारा दुग्धाभिषेक व राखी महोत्सव श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया गया।

श्री बाबा धाम मंदिर पर ऋण मुक्तेश्वर गौरी शंकर महादेव का विशेष श्रृंगार किया गया इस स्थान की महिमा ऐसी है कि प्रत्येक गुरुवार को चने की दाल महादेव जी के चढाई जाती है जिससे पितृ ऋण, मातृ ऋण, सखा ऋण से मुक्ति मिलती है। चने की दाल मंदिर की तरफ से निःशुल्क उपलब्ध होती है। भारत देश का यह पहला शिवलिंग है जिसमें श्री शिवजी, माता पार्वती जी, व श्री गणेश जी एक ही शिवलिंग में विद्यमान है।श्री बाबा धाम पर शिव दरबार को विशेष आकर्षक रंग बिरंगी झिलमिल मनमोहक लाईटिंग, फरियों और फल-फूलों से सजावट की गयी। श्री बाबा धाम मंदिर में सुबह से ही भक्त महादेव की भक्ति में रम गये। पूरे मंदिर प्रांगण में हर हर महादेव भोले बाबा के जयकारें गुंजने लगे। श्री बाबाधाम के पण्डित गौतम गोविन्द द्वारा मंत्रोच्चारण व विधि विधान से पूजा अर्चना प्रारम्भ हुई। सायंकाल 4.15 बजे से 1008 किलो दुध का दुग्धाभिषेक प्रारम्भ हुआ। जो कि सायंकाल 7.15 बजे तक चला इसके अलावा भगवान की बिल्वपत्र, आक के फुल, धतुरा आदि से पूजा की गई जल, दूध, पंचामृत, गन्ने का रस आदि से शिव भगवान का अभिषेक किया गया हजारों भक्तों ने ऋणमुक्तेश्वर गौरी शंकर महादेव के दुग्धाभिषेक के साथ ओम नमः शिवाय, हर हर महादेव की जय घोष के साथ अपनी मनो कामना पूर्ण की। इन सभी भावनाओं के साथ दुग्धाभिषेक किया गया। सभी भक्तों के लिए दुध की व्यवस्था मंदिर प्रांगण में निःशुल्क की गयी। श्री माँ अन्नपूर्णा वैष्णों देवी का भव्य श्रृंगार किया गया। पूरे वर्ष में एक बार ही माँ मंशापूर्ण माताजी के त्रिशुल पर राखी बांधने का अवसर मिलता है एक बार त्रिशुल पर राखी बांधने के लिये श्रद्धालुओं की कतार लगी रही राखी मंदिर ट्रस्ट द्वारा निःशुल्क उपलब्ध की गयी ।सायंकाल सहस्त्रधारा दुग्धाभिषेक के बाद महाआरती हुई। इस आरती के पश्चात सभी भक्तों को 1008 किलो. दूध का दुग्धाभिषेक का ठण्डाई प्रसाद बांटा गया। सभी सेवादारों के द्वारा सेवाएं दी गयी थी। हजारों भक्तों के आने के बाद भी सभी भक्तजनों को आराम से दर्शन. व सहस्त्रधारा दुग्धाभिषेक आसानी से किया और पुनः मंदिर प्रारंगण में भोले के साथ जय मातादी, जय बाबा बालाजी की, जय बाबा के घोष गुंजे। इस सहस्त्रधारा दुग्धाभिषेक में हजारों भक्तजनों ने पधार कर धर्म का लाभ लिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 98117320959. किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय में ही होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित किये गये मसौदे के लिए संपादक जिम्मेदार हैं। **Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023**